डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22

वर्ष : 09 >अंक : 20 >मूल्य: 10 रुपए >पृष्ठ : 08

साप्ताहिक समाचार | मीडिया दृष्टिकोण

हिलव्यू समाचार

बाल दिवस एवं जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिवस पर हिलव्यू समाचार परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ

जयपुर, सोमवार, 14 नवम्बर 2022

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

website: www.hsnews.in

क्या अपने ही ख़िलाफ़ जाँच कमेटी बिठायेंगे उपायुक्त सुरेश राव नगर निगम हैरिटेज

यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल

मुनेश गुर्जर, महापौर नगर निगम हैरिटेज, जयपुर

रफ़ीक ख़ान, विधायक आदर्श नगर, विधानसभा जयपुर

अतिक्रमणकारी साधु सियारामदास, कनकबिहारी मंदिर, गलता गेट, जयपुर

बालिका विद्यालय की ज़मीन पर वह भव्य दो मंज़िला अवैध निर्माण जिसे उपायुक्त सुरेश राव ने अदालत की आँखों में धूल झौंककर अपनी रिपोर्ट में कहा है कि अवैध निर्माण नहीं हो रहा गोवर्धनपुरी गलता गेट पर।

झूठी रिपोर्ट की प्रति छाया पेज नं. 5

सुरेश राव, उपायुक्त आदर्शनगर जोन, नगर निगम हैरिटेज, जयपुर

विश्राम मीणा, आयुक्त नगर निगम हैरिटेज, जयपुर

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर। स्थानीय नागरिकों के विरोध और न्यायिक शरण में जाने के बाद गलतागेट गोवर्धनपुरी के अतिक्रमण में स्थगन आदेश हो गए थे लेकिन उपायुक्त सुरेश राव आदर्शनगर जोन नगर निगम हैरिटेज द्वारा झूठी रिपोर्ट अदालत में पेश कर दी गई कि-

- गलता गेट गोवर्धनपुरी में मौक़े पर कोई नव निर्माण नहीं हो रहा।
- गलता गेट गोवर्धनपुरी में अन्यत्र राजकीय बालिका विद्यालय संचालित है।
- साधु सियारामदास कनकबिहारी मंदिर में रंग-रोगन और मरम्मत करवा रहा है।
- चूंकि कनक बिहारी मंदिर बहुत अधिक पुराना है अतः सिर्फ़ उसमें मरम्मत कार्य चल रहा है।
- इस झूठी प्रशासनिक रिपोर्ट का परिणाम हुआ कि अतिक्रमणकारी साधु सियारामदास को वर्तमान अदालत ने राजेश सोनी की अपील पर निचली अदालत द्वारा दिए गए स्थगन आदेश ख़ारिज़ कर आंशिक रंग-रोगन,मरम्मत के आदेश दे दिए।

जबकि उपायुक्त सुरेश राव आदर्शनगर जोन द्वारा उपरोक्त दिए गए सभी बयान झूठे व निराधार हैं

- आख़िर प्रशासनिक अधिकारी सुरेश राव ने झूठी रिपोर्ट से अदालत को ग़ुमराह क्यों किया?
- आख़िर आदर्शनगर जोन किस दबाव में है कि दो मंज़िला 1611.11 वर्गगज में बनी बिल्डिंग उसकी निग़ाहों से ओझल हो गयी है?
- गलतागेट गोवर्धनपुरी में आदर्शनगर जोन उपायुक्त सुरेश राव कभी गए नहीं फिर उन्हें कौनसा राजकीय बालिका विद्यालय संचालित होते हुए दिख गया?
- आख़िर आदर्शनगर जोन उपायुक्त राव प्रशासनिकअधिकारी होते हुए अदालत में झूठे बयान क्यों पेश कर रहे हैं?

इस जिज्ञासा के चलते आदर्श नगर जोन उपायुक्त सुरेश राव से संपर्क किया गया किंतु ऑन कैमरा प्रतिक्रिया देने के सम्बंध में उपायुक्त सुरेश राव ने असहमति जताई अतः उनकी इच्छा को सर्वोपरि रखते हुए कैमरा ऑफ करके उनसे बातचीत की गई। उपरोक्त यक्ष प्रश्नों पर चर्चा के कुछ अंश-

प्रश्न 1. आपने झूठी रिपोर्ट से अदालत को ग़ुमराह क्यों किया जबकि गलता गेट गोवर्धनपुरी में दो मंज़िला अवैध बिल्डिंग अपने अस्तित्व होने की कहानी ख़ुद कह रही है? **(अवैध निर्माण सबंधित फ़ोटो व सम्बंधित दस्तावेज़ दिखाते हुए प्रश्न किया गया था)**

आदर्शनगर जोन निगम उपायुक्त सुरेश राव

उत्तर : 1 नवनिर्माण नहीं होने की बात कही है मैंने न कि निर्माण होने की, अन्यथा ऐसे तो कई निर्माण कार्य चल रहे होंगे क्षेत्र में? **(प्रशासनिक अधिकारी उपायुक्त सुरेश राव का यह जवाब बड़ा हास्यास्पद व ग़ैर-ज़िम्मेदाराना लगा)**

प्रश्न 2. आपने गलता गेट गोवर्धनपुरी की अवैध दो मंज़िला बिल्डिंग को झूठी रिपोर्ट प्रस्तुत कर अदालत की आँखों से ओझल कर दिया और एक झूठा राजकीय बालिका विद्यालय उस क्षेत्र में संचालित बता दिया? आख़िर इतना झूठ क्यों पेश किया आपने अदालत के समक्ष?क्या आप किसी दबाव में हैं,आप एक प्रशासनिक अधिकारी हैं? अदालत में पेश रिपोर्ट में हस्ताक्षर आपके ही हैं न सर?

उत्तर : 2 हाँ ! मेरे ही हस्ताक्षर हैं लेकिन मेरे संज्ञान में यह मामला अभी पूरा नहीं। दिन भर में कई फाइलें होतीं हैं। अतः हस्ताक्षर कर दिए होंगे। मेरा जोन किसी का दबाव नहीं आ सकता। मैं कोई ग़लत काम बर्दाश्त नहीं करता।आपके हिलव्यू समाचार द्वारा पूरा मामला संज्ञान में लाया गया है अतः मैं पुनः मौक़े की जाँच करवाता हूँ। पहली रिपोर्ट वाली टीम का कोई सदस्य इस जाँच कमेटी में नहीं होगा?

(क्या एक प्रशासनिक अधिकारी बिना पढ़े किसी भी रिपोर्ट या स्टेटमेंट पर हस्ताक्षर कर सकता है यह बेहद ग़ैर-जिम्मेदाराना जवाब था उपायुक्त सुरेश राव का)

प्रश्न 3. क्या अदालत में दी गयी रिपोर्ट्स में अपने बयानों के ख़िलाफ़ जाँच कमेटी खड़ी कर पाएंगे आप?

उत्तरः 3 दुबारा जाँच होगी तो जो सत्य होगा वही मेरा उत्तर होगा आप स्थानीय नागरिकों से,पीड़ितों से एक प्रार्थना पत्र पुनः दिलवा दें कि मौक़े की पुनः जाँच की जाए। मैं दो दिन में मौक़े की पुनः जाँच करवाता हूँ।

निष्कर्ष : उपायुक्त महोदय अपने द्वारा अदालत में पेश की गई झूठी रिपोर्ट में ख़ुद उलझ गए हैं इसीलिए इस तरह के बचकाना उत्तर दे गए। क्या वे वास्तव में जाँच कमेटी बनाएंगे स्वयं के ख़िलाफ़? अगर किसी भी तरह जाँच कमेटी बनाते हैं तो देखते हैं उनकी दूसरी जाँच कमेटी मौक़े की पुनः क्या रिपोर्ट प्रस्तुत करती है या उपायुक्त स्वयं अपने ज्ञानचक्षु खोलकर अपनी प्रशासनिक सेवा का कर्तव्य पूरा करेंगे और मौक़े पर ओर जाकर ख़ुद मुआयना करेंगे? हिलव्यू समाचार आगे की स्थिति पर जाँच-पड़ताल करता रहेगा।

उपायुक्त सुरेश राव के कहे अनुसार गलतागेट गोवर्धनपुरी के स्थानीय लोग व राकेश आमजन अदालत में दी गयी सुरेश राव की झूठी रिपोर्ट के विरुद्ध ज्ञापन लेकर पुनः आदर्शनगर जोन नगर निगम में पहुँच गए। अब देखते हैं उपायुक्त सुरेश राव बच निकलने की कौनसी गली निकालते हैं?

इसी श्रृंखला में आयुक्त विश्राम मीणा नगर निगम हेरीटेज से सम्पर्क किया गया और उनसे बातचीत के कुछ अंश-

1. आपके द्वारा आदर्शनगर जोन को गलतागेट गोवर्धनपुरी में बालिका विद्यालय पर हो रहे कब्ज़े वाले दो मंज़िला अवैध नवनिर्माण को सीजर के आदेश दिए गए थे लेकिन अब तक वह सीज नहीं हुई और अभी भी काम चल रहा है?

उत्तरः आपने बताया है तो इस बारे में जाँच करवाते हैं । **(आयुक्त महोदय का सटीक व सोचा समझा जवाब)**

2. सर अदालत में उपायुक्त सुरेश राव आदर्शनगर जोन ने मौक़े पर किसी नवनिर्माण के नहीं होने का दावा पेश किया है तो आपके सीजर के आदेश का क्या अस्तित्व रहा? आपका आदेश ग़लत है या डीसी का दावा झूठा?

उत्तर : आप इस बारे में उनसे ही पूछे मुझे ऐसी कोई जानकारी नहीं! (हिलव्यू टीम द्वारा आदर्शनगर डीसी के अदालत में पेश किए मय हस्ताक्षर झूठे दावे के पुलिंदे आयुक्त महोदय के सामने पेश कर दिए गए जिन्हें देखकर आयुक्त सकपका गए और उन्होंने पुनः जाँच करवाने की बात कही!)

3. सर अभी भी सियारामदास साधु लगातार अवैध निर्माण कर रहा है गलतागेट के उसी बालिका विद्यालय की ज़मीन यानी मौक़े पर ?

उत्तर : मैं जाँच करवाता हूँ उसके बाद ही कोई जवाब दिया जा सकेगा।

अतिक्रमण और अवैध निर्माण के विरुद्ध खड़ा पीड़ित राकेश आमजन, गोवर्धनपुरी गलतागेट, जयपुर

गलतागेट अवैध निर्माण के विरुद्ध लड़ाई लड़ते यौद्धा राकेश आमजन ने पुलिस की नौकरी (सरकारी) से दिया इस्तीफ़ा

पीड़ित राकेश आमजन का इस्तीफ़ा सोई गहलोत सरकार के मुँह पर तमाचा

अतिक्रमणकारी साधु सियारामदास कनक बिहारी मंदिर की आड़ में झूठा माहौल बनाकर योजनाबद्ध तरीक़े से हिंदुत्व की आड़ में शिक्षा विभाग की करोड़ों-अरबों की ज़मीन को हथिया रहा है जो कि जेडीए द्वारा राजकीय बालिका विद्यालय के लिए आवंटित की गई थी। इसके ख़िलाफ़ राकेश आमजन व स्थानीय नागरिक लगातार विरोध दर्ज कर रहे हैं। मौखिक व लिखित मय पुख़्ता साक्ष्यों के निगम हेरिटेज,जेडीए,शिक्षा विभाग,पुलिस आदि अफसरों व कार्मिकों को लगातार आगाह किया गया है किंतु प्रभावशाली तरीक़े से क़ानूनी कार्यवाही करने के बजाए उनका व शिक़ायतकर्ताओं का दमन किया गया। नकली किराए की भीड़,विधायक ,पार्षद आदि ने एकत्रित होकर उनके परिवारों को डराया,भय आतंकित कर मॉब लीचिंग जैसे प्रयास किए।

राकेश आमजन के घर के सामने तलवार से केक काटकर भय का वातावरण रफ़ीक़ ख़ान और अतिक्रमणकारी साधु सियारामदास ने जन्मदिन बनाया। कलश यात्रा की आड़ में उनके घर के आगे भीड़ इकट्ठी कर दबाव बनाने का प्रयास किया इन सबकी शिकायत उन्होंने लगातार तात्कालिक डीजीपी लाठर व संबंधित एवं अधीनस्थ पुलिस को लिखित मौखिक मय पुख्ता साक्ष्यों के साथ की मगर उनकी इस गंभीर शिक़ायत पर कोई एक्शन नहीं लिया गया। स्थानीय पुलिस ने इस मामले को न गंभीरता से लिया न FIR दर्ज की। इन भ्रष्टाचारियों व अतिक्रमणकारियों द्वारा राकेश आमजन के परिवार पर अपमानजनक शब्दों से दबाव बनाया गया। जिस पर उन्होंने SC/ST एडीजे कोर्ट का सहारा लिया। जिसकी FIR हिलव्यू समाचार के पिछले अंक में पेज़ 04 व पेज़ 05 में प्रकाशित की गई थी। उस FIR में विधायक रफ़ीक़ ख़ान सहित 23 लोगों पर पहली बार FIR दर्ज कर जाँच के आदेश हुए जिनकी जाँच अभी लंबित है।

पीड़ित राजेश आमजन और राजेश सोनी द्वारा लिए अवैध निर्माण स्थगन आदेश को साधु सियारामदास व आदर्श नगर जोन उपायुक्त सुरेश राव द्वारा झूठा दावा प्रस्तुत किया गया और इस तरह अदालत को गुमराह कर स्थगन को ख़ारिज़ करवा लिया गया और साथ ही आंशिक रंग-रोगन के आदेश पास करवा लिए। शासन और प्रशासन क्यों साधु सियाराम दास के इशारों की पुतली बन गया यह बेहद शर्मनाक स्थिति है की एक सरकारी कर्मचारी को सरकारी सम्पति बचाने के लिए इस्तीफ़ा देना पड़ा।

पूर्व डीजीपी एमएल लाठर

हिलव्यू समाचार

अंधेर नगरी चौपट राजा

यह प्रश्न गहलोत सरकार से

1

सिस्टम की लचरता देखिए...

भारत में भारत जोड़ो यात्रा और राजस्थान में भांडा फोड़ो यात्रा

आदर्शनगर विधायक रफ़ीक़ ख़ान और अतिक्रमणकारी साधु सियारामदास मज़े से अवैध निर्माण कर रहे हैं,गुंडागर्दी कर रहे हैं, झूठ बोल रहे हैं, उपायुक्त अपने पावर को पंगु करके बैठे हैं।पुलिस ने ख़ुद ने ख़ुद के हाथ बाँध लिए हैं। आख़िर पूरे शहर को किसकी नज़र लग गयी है कि चारों ओर हाहाकार मचा है। अतिक्रमण, अवैध निर्माण,खुलेआम गुंडागर्दी, सत्ता की शक्ति का दुरुपयोग, प्रशासनिक पावर का दबदबा आम इंसान के अधिकारों का गला घोंट रहा है लेकिन कहने सुनने वाला कोई नहीं! एक तरफ़ राहुल गाँधी "भारत जोड़ो यात्रा" कर रहे हैं और राजस्थान में उनके विधायक "आपस में भांडा फोड़ो भ्राता कर रहे हैंगहलोत सरकार में चल रही छिंटाकशीं आख़िर कब थमेगी कि गहलोत सरकार को अपने कर्तव्य याद आएंगे। रेवड़ी बाँटकर इस दौरान जनता को वोटों के लिए तैयार किया जा रहा है....बड़े अफ़सोस की बात है कि अशोक गहलोत एक सुलझे हुए मन्त्री हैं और उन्हें मुख्यमंत्री का मान जनता ने दिया है लेकिन इस वक़्त विधायकों की रस्साकसी में आम जनता कैसे पिस रही है उन्हें नज़र ही नहीं आ रहा! शायद जब तक वे जागेंगे बहुत देर हो चुकी होगी। इस वक़्त "भारत जोड़ो यात्रा" भारत में चल रही है और राजस्थान में गहलोत सरकार के विधायक आपस में एक दूसरे का भांडा फोड़कर "भांडा फोड़ो भ्राता" कर रहे हैं।*

हिलव्यू समाचार

उपायुक्त सुरेश राव आदर्श नगर जोन नगर निगम हेरिटेज ने अदालत में झूठी रिपोर्ट प्रस्तुत क्यों की?

2

सम्पादकीय

आरक्षण की ऐसी व्यवस्था बने, जिससे किसी भी जाति, समुदाय, क्षेत्र के हर गरीब और पिछड़े व्यक्ति को मिले अवसर

केंद्र सरकार ने मंतातरित हुए दलित मुसलमानों और ईसाइयों को आरक्षण का लाभ न देने के पक्ष में जो तर्क सुप्रीम कोर्ट (Supreme Court) के समक्ष दिए, उनसे असहमत नहीं हुआ जा सकता। दलितों को अनुसूचित जाति का दर्जा देकर आरक्षण इसीलिए दिया गया था, क्योंकि वे हिंदू समाज में व्याप्त जाति प्रथा के चलते सदियों से भेदभाव का सामना कर रहे थे। आरक्षण (Reservation) देने का उद्देश्य उन्हें समाज की मुख्यधारा में लाना था। यह सुविधा उन दलितों को नहीं दी गई, जो मुस्लिम या ईसाई बन गए, क्योंकि ये दोनों समुदाय यह कहते हैं कि उनके यहां न तो किसी तरह का जातिवाद है और न ही जातिभेद।

आम तौर पर दलितों को यह लालच देकर मतांतरण कराया जाता है कि उन्हें जातिवाद से छुटकारा मिल जाएगा। यदि दलितों को यह भान होता कि मुस्लिम या ईसाई बनने के बाद भी उनके साथ भेदभाव होगा तो वे कभी मतांतरित ही न होते। दलित मुस्लिम और दलित ईसाइयों के संगठन खुद को अनुसूचित जाति का दर्जा देने की मांग इसीलिए कर रहे हैं ताकि दोहरा लाभ उठा सकें- एक अनुसूचित जाति का और दूसरा अल्पसंख्यक दर्जे का।

यदि मतांतरित होकर मुस्लिम और ईसाई बने दलितों को अनुसूचित जाति का दर्जा और फिर आरक्षण का लाभ दिया गया तो छल-बल और धोखे से उनके मतांतरण का अभियान और जोर पकड़ सकता है। चूंकि भारत में मतांतरण राष्ट्र की आत्मिक चेतना को कमजोर करता है, लिहाजा इसे हर हाल में हतोत्साहित करना होगा।

इससे इन्कार नहीं कि हिंदू समाज का दलित कहा जाने वाला तबका भेदभाव का शिकार रहा है और कहीं-कहीं आज भी है। आजादी के समय यह माना गया था कि इस तबके को आरक्षण देकर उसे जातिभेद से मुक्त करा लिया जाएगा। प्रारंभ में तो सफलता नहीं मिली, लेकिन कुछ दशकों बाद इसका असर दिखने लगा और आज यह कहा जा सकता है कि आरक्षित तबका पहले से कहीं अधिक सक्षम है, लेकिन हमारे नेता अभी भी इस भावना को जिंदा रखना चाहते हैं कि हिंदू समाज अब भी जातियों में बंटा है और उसी आधार पर भेदभाव होता है।

इसी आधार पर वे आरक्षण की मांग करते रहते हैं। पिछले दिनों झारखंड में 1932 के डोमिसाइल के आधार पर आरक्षण की सीमा बढ़ा दी गई। झारखंड में आरक्षण अब 75 प्रतिशत से भी अधिक हो गया है। यह आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा को लांघ रहा है। ऐसी ही स्थिति कुछ अन्य राज्यों में भी है। शिक्षा संस्थानों और सरकारी नौकरियों में आरक्षण तो बढ़ रहा है, लेकिन नौकरशाही की कार्यकुशलता नहीं बढ़ रही है।

अकुशल नौकरशाही राष्ट्र पर एक बोझ है। राजनीतिक हथियार बना आरक्षण एक तरह से देश पर आर्थिक बोझ भी है। आरक्षण के दायरे में आने वाली आबादी 50 प्रतिशत से अधिक है, लेकिन कोई भी सरकार हो, वह बढ़ती आबादी के अनुपात में नौकरियां सृजित नहीं सकती। यही कारण है कि आरक्षण के दायरे में आने वाले कम लोगों को ही सरकारी नौकरियां मिल पाती हैं। चूंकि आरक्षण के जरिये नौकरी न पाने वाले भी अपने पैरों पर खड़े होकर देश के विकास में योगदान दे रहे हैं, इसलिए सरकारों को उनकी ओर भी देखना चाहिए।

यह एक तथ्य है कि गरीबी केवल आरक्षण के दायरे में आने वाले वर्गों में ही नहीं, अन्य वर्गों में भी व्याप्त है। इसी को ध्यान में रखते हुए 2019 में संविधान संशोधन के जरिये 10 प्रतिशत आर्थिक आरक्षण का प्रविधान लाया गया। यह आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को दिया जाता है। पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने बहुमत से दिए अपने फैसले में आर्थिक आरक्षण को उचित ठहराते हुए कहा कि इससे आरक्षण की 50 प्रतिशत सीमा का उल्लंघन नहीं होता। इससे सरकार को राहत मिली है, लेकिन अगर गरीबी को दूर करना है तो गरीबों को आरक्षण के साथ-साथ उनके लिए अन्य योजनाओं को भी चलाना होगा, जिससे वे सक्षम बनकर देश के विकास में भागीदार बनें।

आर्थिक आरक्षण को सही ठहराते हुए सुप्रीम कोर्ट की जज बेला त्रिवेदी ने आरक्षण की समीक्षा की भी बात कही। इस तरह की बात पहले भी उठती रही है परंतु आरक्षण के नफा-नुकसान पर खुलकर बहस नहीं हो पा रही है। कम से कम अब तो आरक्षण पर नीर-क्षीर ढंग से बहस होनी चाहिए, ताकि सभी वंचित- पिछड़े तबके मुख्यधारा में शामिल होकर देश की प्रगति में योगदान कर सकें।

आर्थिक आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद आर्थिक आरक्षण की विसंगतियों की चर्चा तो हो रही है, लेकिन ऐसी चर्चा जातिगत आरक्षण को लेकर भी होनी चाहिए, क्योंकि यह एक तथ्य है कि अभी ऐसी कोई ठोस व्यवस्था नहीं बन सकी है, जिससे सभी पात्र लोगों को ही आरक्षण मिलना सुनिश्चित किया जा सके। यह ठोस व्यवस्था कैसे बने, इस पर नए सिरे से विचार होना चाहिए। इसी तरह बहस इस पर भी होनी चाहिए कि जब सरकारी नौकरियां घटती जा रही हैं, तब आरक्षण बढ़ाने की मांग करते रहना कितना लाभप्रद है? यह भी किसी से छिपा नहीं कि सरकारी शिक्षण संस्थान भी अपर्याप्त हैं। इन संस्थानों में आरक्षित तबके के सभी छात्रों को चाहकर भी प्रवेश नहीं दिया जा सकता। यदि जाति और गरीबी के कारण किसी तरह का भेदभाव होता है तो उसे दूर करने के प्रभावी उपायों पर भी विचार किया जाना चाहिए, क्योंकि आरक्षण के बावजूद इस समस्या का पूरी तरह समाधान नहीं किया जा सका है। वास्तव में एक ऐसा समाज बनाने की दिशा में आगे बढ़ा जाना चाहिए, जिससे जात-पात और भेदभाव के लिए कहीं कोई जगह न रहे।

BOL अनमोल

हमारा काम यह नहीं है कि सुदूर की अस्पष्ट वस्तु को देखने का प्रयत्न करें, हमारा काम तो यह है कि हम सामने प्रस्तुत स्पष्ट कार्य को पूरा करें.

- थॉमस कार्लाे

SAPNE अपने

- काजल - शारीरिक कष्ट
- बंद दरवाजा - धन की हानि
- चश्मा लगाए हुए देखना - ज्ञान बढ़ेगा
- गोबर - पशु के व्यापार में लाभ
- दीया का दिखना - धन की प्राप्ति
- कैंची - घर में किसी तरह का क्लेश
- लाठी - यश की प्राप्ति

1925 में रखी गई नींव

बाल दिवस का अर्थ है, बच्चों का दिन. भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मोत्सव को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है. बाल दिवस की नींव 1925 में रखी गई थी. विश्व कांफ्रेंस में बच्चों के कल्याण के लिए कुछ अहम फैसले लिए जाने थे, उसी कांफ्रेंस में बाल दिवस मनाने की घोषणा सबसे पहले की गई थी. बाल दिवस को पूरी दुनिया में मनाने के लिए 1954 में पूर्ण रूप से मान्यता मिली. इस दिन भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिन होता है. वह बच्चों से अत्यधिक प्रेम करते थे और बच्चे भी उनसे बहुत प्रेम करते थे. सभी बच्चे प्यार से उन्हें चाचा नेहरू कहकर बुलाते थे.

- पंडित जवाहरलाल नेहरू की भावनाओं को समझते हुए और उन्हें सम्मान देने के लिए भारत में प्रत्येक वर्ष 14 नवंबर को उनके जन्मदिवस को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है.
- पंडित नेहरू के अनुसार, "आज के ही बच्चे हमारे देश का भविष्य हैं इसलिए उन्हें प्यार और देखभाल की जरूरत है, जिससे वे अपने पैरों पर खड़े हो सकें और देश का गर्व बन सकें."

- नेहरूजी का मानना था कि बच्चों का मन बहुत साफ होता है और कोई भी चीज बच्चों के मन पर असर डालती है, इसलिए उनके कर्तव्य का उन्हें ज्ञान होना चाहिए और यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उनका अच्छे से विकास करें.
- हमें बच्चों को अच्छे से पढ़ाना-लिखाना चाहिए और उनकी हर चीज का ध्यान देना चाहिए. हमें उन्हें उनके अधिकारों के बारे में विशेष रूप से बताना चाहिए, ताकि कोई भी बच्चा शोषण का शिकार न हो और हमारा भविष्य बेहतर बन सके.
- संयुक्त राष्ट्र सभा में 20 नवंबर को आधिकारिक रूप से बाल दिवस मनाने की घोषणा की गई, परंतु भारत में यह हर साल 14 नवंबर को मनाया जाता है. क्योंकि इस दिन भारत के प्रथम प्रधानमंत्री और सभी बच्चों के प्रिय चाचा नेहरू का जन्म हुआ था.
- पंडित जवाहरलाल नेहरू ने देश के बच्चों और युवाओं की बेहतरी के लिए स्वतंत्रता के बाद अनेक उल्लेखनीय कार्य किए. वे बहुत ही प्रेरक थे और सदैव सभी को प्रेरित करते रहते थे. सन 1964 में उनकी मृत्यु के बाद भी उनकी याद में आज तक उनकी जयंती के दिन बाल दिवस मनाया जाता है.
- पंडित नेहरू का मानना था कि राष्ट्र के विकास और भविष्य की जिम्मेदारी बच्चों पर ही है. बचपन सभी के जीवन का सबसे अच्छा चरण होता है, जो कि देश के प्रत्येक बच्चे के लिए खुशी व स्वप्न से भरा होना चाहिए, ताकि वह राष्ट्र का नेतृत्व करने के काबिल बन सके.
- यदि देश का कोई भी बच्चा मानसिक या शारीरिक रूप से अस्वस्थ होता है तो राष्ट्र के विकास में अपना पूरा योगदान नहीं दे पाएगा. इसलिए प्रत्येक बच्चे के जीवन में बचपन एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसमें उन्हें सबसे ज्यादा देखभाल, प्यार और सही मार्गदर्शन व ज्ञान की आवश्यकता होती है.
- देश के प्रति सभी नागरिकों की जिम्मेदारी बनती है कि वे बच्चों के विकास की दिशा में सही कदम बढ़ाएं और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करें.
- बाल दिवस बच्चों को उनके अधिकारों के बारे में बताने और उन्हें सामाजिक बुराइयों से बचाकर उनके भविष्य को समृद्ध बनाने के उद्देश्य से मनाया जाता है.
- इस दिवस के द्वारा लोगों को यही समझाने की कोशिश की जाती है कि बच्चे के विकास और सुरक्षा का ख्याल रखा जाए. बाल दिवस के जरिए हम बच्चों में जागरूकता फैलाते हैं, ताकि कोई भी उनका शोषण न कर सके.

दिन विशेष

बाल दिवस

58 साल की उम्र में PM बने थे पंडित नेहरू

17 साल तक पद पर रहे

पं. जवाहर लाल नेहरू आजाद भारत के पहले प्रधानमंत्री थे. तब वे लगभग 58 वर्ष के थे और 17 साल तक इस पद पर रहे. उनका जन्म इलाहाबाद में 14 नवंबर 1889 को हुआ.

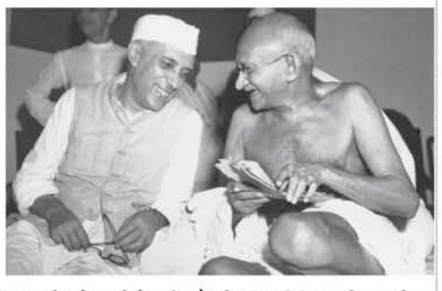

भाई-बहनों में जवाहरलाल सबसे बड़े थे. शुरुआत में 10 साल तक वो इलाहाबाद में ही रहे. 1942 में नेहरू समेत कई महान हस्तियां महाराष्ट्र की अहमदनगर जेल में बंद थीं. तीन साल का लंबा समय यहां गुजारा. नेहरू वक्त की कीमत जानते थे. इस खाली समय का इस्तेमाल उन्होंने लिखने में किया और जो लिखा, वह इतिहास की एक धरोहर बन गया. वह किताब थी- 'डिस्कवरी ऑफ इंडिया'. गजब की पैनी याददाश्त थी उनकी! भारत की यात्राओं के अनुभव उन्होंने लिखे. इसमें उन्होंने इतिहास को तटस्थ भाव से खंगाला. अपने समय के हालातों का विश्लेषण किया और आने वाले कल के लिए उत्साह भरे. नेहरू 9 बार जेल गए. जेल में उन्होंने वक्त जाया नहीं जाने दिया. तीन किताबें जेल में ही लिखीं. वहीं, आजादी के 75 वर्षों में भारत में 15 प्रधानमंत्री चुने जा चुके हैं. जवाहरलाल नेहरू से शुरू हुई ये गिनती अब नरेंद्र मोदी तक पहुंच चुकी है. इस बीच गुलजारीलाल नंदा, लालबहादुर शास्त्री, इंदिरा गांधी, मोरारजी देसाई, चौधरी चरण सिंह, राजीव गांधी, विश्वनाथ प्रताप सिंह, चंद्रशेखर, पीवी नरसिंह राव, अटल बिहारी वाजपेयी, एचडी देवगौड़ा, इंद्रकुमार गुजराल, मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री रहे.

गांवों में घूम-घूमकर सीखी धाराप्रवाह हिन्दी

1931 में भारत में कृषि संबंधी कर्ज 860 करोड़ रुपए था. यह कर्जा किसानों पर था. सरकारी नीतियां साहूकारों के पक्ष में थीं. इलाहाबाद में रहते हुए नेहरू किसानों के काफी करीब थे. हर रोज उनके पास लोग आते, अपनी मुश्किलें गिनाते. लगान वसूली में की जाने वाली जबरदस्ती का जिक्र रो-रोकर करते. कांग्रेस तब किसानों के हक में खड़ी हुई. नेहरू ने खुद गांवों की खाक छानी. धाराप्रवाह हिन्दी सीखी. उन्होंने लिखा, हिंदुस्तान के किसानों में मुसीबत सहने की अदभुत शक्ति है. उन पर हमेशा जरूरत से ज्यादा मुसीबतें आती ही रहती हैं-अकाल, बाढ़, बीमारी और निरंतर कुचलने वाली गरीबी. और जब वे अधिक सह नहीं सकते तो चुपचाप और मानो बिना शिकायत किए, हजारों की तादाद में मर जाते हैं. उन्होंने किसानों का सम्मेलन बुलाकर लगान अदायगी रोकने का फैसला लिया.

स्वराज भवन में हुआ था इंदिरा का जन्म

स्वराज भवन प्रयागराज में स्थित एक ऐतिहासिक भवन एवं संग्रहालय है. इसका मूल नाम 'आनंद भवन' था. इस संग्रहालय में आपको नेहरू परिवार की बहुत सारी स्मृतियां देखने को लिए मिल जाएंगी. 'स्वराज भवन' प्रयागराज शहर के बीचों बीच में स्थित है. यहां पर तारामंडल भी है, जहां पर आप जाकर 3डी इफेक्ट शो को देख सकते हैं. स्वराज भवन में आपको ऐसी बहुत सारी वस्तुएं देखने को मिल जाएंगी, जो नेहरू परिवार के द्वारा उपयोग की जाती थीं.

PRIDE जोन

- स्वराज भवन एक बहुत बड़ी इमारत है. इस इमारत में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का जन्म हुआ था. यहां इंदिरा की बहुत सारी पेंटिंग देखने को मिल जाएंगी. यहां पर प्राचीन समय में इस्तेमाल की जाने वाली बग्घी भी रखी है. स्वराज भवन के सामने एक बहुत बड़ा गार्डन बना हुआ है, जहां पर तरह-तरह के फूल लगाए गए हैं और गार्डन को सजाया गया है. स्वराज भवन में गांधीजी का चरखा भी रखा हुआ है. यहां पर स्वतंत्रता आंदोलन के समय बहुत सारी बैठकें हुई थीं. यहां स्वतंत्रता आंदोलन की बहुत सारी तस्वीरें देखने को मिलेंगी.

दिलचस्प है आनंद भवन की कहानी

प्रयागराज के आनंद भवन की कहानी दिलचस्प है. इस भवन के कई मालिक रहे हैं. इलाहाबाद के पहले नियमित जज सैयद महमूद भी यहां रहे चुके हैं. उनके पिता सर सैयद अहमद खां ने इस भवन को खरीदा था और इसका नाम महमूद मंजिल रखा था. हालांकि अंग्रेजों ने 1857 के गदर के बाद इस जगह को शेख फैयाज अली को बतौर इनाम सौंपा था. उसी स्थान पर बाद में स्वराज भवन एवं आनंद भवन बनाया गया. वैसे नगर निगम में मोतीलाल नेहरू से पहले इस भवन पर किसका मालिकाना हक था, इसके दस्तावेज नहीं हैं. लेकिन जस्टिस महमूद के बाद यह भवन मुरादाबाद निवासी जज रायबहादुर कुंवर परमानंद पाठक के भी पास भी रहा था. मोतीलाल नेहरू ने यह भवन इन्हीं से खरीदा था.

- इतिहासकार जयप्रकाश यादव बताते हैं कि यह स्थान मोतीलाल नेहरू के खरीदे जाने से पहले ही महत्वपूर्ण था. अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के संस्थापक सर सैयद अहमद खां के पास भी यह भवन काफी दिन रहा है. कन्हैयालाल नंदन की किताब के हवाले से वे बताते हैं कि अंग्रेजों ने 1857 के विद्रोह में उनकी सहायता करने वाले शेख फैयाज अली को इनाम के तौर पर यह जमीन सौंपी थी. इसी जमीन पर आनंद भवन एवं स्वराज भवन बना हुआ है. हालांकि अंग्रेजों से मिली इस जमीन पर बने भवन के कई मालिक रहे हैं. इतिहासकार प्रो. जेएन पाल बताते हैं कि इंदिरा गांधी ने एक लेख में लिखा है कि इस घर में जस्टिस महमूद रहे हैं. यह उनका आवास था. उन्होंने मुरादाबाद निवासी जज परमानंद के हाथ बेचा था. उनसे मेरे दादा पंडित मोती लाल नेहरू ने 1900 में खरीदा था. इंदिरा का यह लेख नेहरू लाइब्रेरी में रखा हुआ है.

क्या आप जानते हैं

भारत में बाल अधिकार

बाल दिवस पूरे विश्व भर के देशों में अलग-अलग तिथियों को मनाया जाता है, लेकिन भारत में बाल दिवस 14 नवंबर को मनाया जाता है. इस दिन चाचा नेहरू का जन्म दिवस भी होता है. वे बच्चों को प्रेरित भी करते थे, ताकि वे सफल एवं देशभक्त और सुखी नागरिक बन सकें. वे बच्चों को देश का भविष्य मानते थे, इसलिए चाहते थे कि देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रत्येक माता-पिता अपने बच्चों को बहुत ही सावधानी और प्यार से पोषित करें.

- नेहरू का मानना था कि किसी भी देश की असली ताकत के बच्चे होते हैं. वह कभी भी लड़का और लड़की में भेदभाव नहीं करते थे. वे राष्ट्र के विकास के लिए सभी को समान रूप से अवसर प्रदान करने में विश्वास रखते थे.
- भारतीय संविधान में सभी बच्चों के लिए कुछ अधिकार सुनिश्चित किए गए हैं, जैसे-

अनुच्छेद-21(क) के अनुसार 6 से 14 साल की आयु के सभी बच्चों को निशुल्क प्रारंभिक शिक्षा प्रदान की जाए. अनुच्छेद-24 के अनुसार 14 वर्ष से कम आयु वाले बच्चों को जोखिम वाले कार्यों को करने पर प्रतिबंध. अनुच्छेद-39(घ) के अनुसार आर्थिक जरूरतों की वजह से बच्चों को ऐसे काम कराने (जो उनकी आयु के अनुरूप न हो) पर प्रतिबंध. अनुच्छेद-39(च) के अनुसार बच्चों को स्वतंत्र और गरिमामय माहौल में स्वस्थ, विकास के अवसर और सुविधाएं मुहैया करवाना और उन्हें शोषण से बचाना आदि.

- बाल दिवस कोई साधारण दिवस नहीं है, बल्कि इसे हमारे देश के संरक्षण के अधिकारों का ज्ञान देने के लिए निर्धारित किया गया है. बाल दिवस इसलिए मनाया जाता है, ताकि हम बच्चों को उनके अधिकारों के बारे में बता सकें और उन पर होने वाले किसी भी प्रकार के शोषण के खिलाफ आवाज उठा सकें.

- भारत में बच्चों को बहुत सारे अधिकार दिए गए हैं, जैसे- कि जीवन जीने का अधिकार, शिक्षा का अधिकार आदि. पंडित नेहरू ने बच्चों को देश का भविष्य बताया है. यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए सभी बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने में सहयोग करें.

SUNDAY सैंडविच

नया हार

पड़ोसन- बहन, नया हार तो बहुत अच्छा है, कितने का पड़ा है??
दूसरी महिला- ज्यादा नहीं, दो दिन की लड़ाई, एक दिन की भूख हड़ताल, 2 दिन का मौन व्रत और बस थोड़ा रोना-धोना....
पड़ोसन- अभी अपने पति से रूठ जाती हूं!!!

डिजिटल लड़ाई

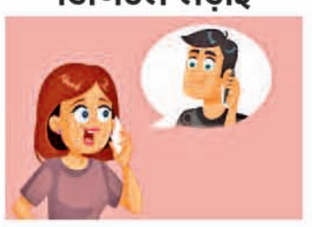

अब वो दिन दूर नहीं जब गजोधर व उनकी पत्नी के बीच डिजिटल लड़ाई कुछ इस तरह होगी....
बीवी- न जाने कौन-सी घड़ी में मैंने तुम्हारी Friend request accept की थी...!
पति- पत्थर पड़ गए थे मेरी अक्ल पर, जो तुम्हारी DP को Nice Pic कहा था....
बीवी- मेरी अक्ल पर भी परदा पड़ा था जो तुम्हारी Pic पर Handsome Look का comment किया था...
पति- अच्छा होता तुम्हें उसी वक्त un-friend कर देता...
बीवी- मैंने भी उसी वक्त तुम्हें Block किया होता तो आज ये दिन ना देखना पड़ता...!!!!

खाली पेट

दोस्त- तुम खाली पेट होने पर कितने केले खा सकते हो?
गजोधर (कुछ पल सोचकर कहा)- मैं 6 केले खा सकता हूं.
दोस्त ने हंसते हुए कहा- गलत जवाब, पहला केला खा लेने के बाद तुम्हारा पेट खाली कहां रहेगा?
इसलिए खाली पेट होने पर तुम केवल एक ही केला खा सकते हो!
गजोधर घर पहुंचा और जाते ही बीवी से सवाल किया...
तुम खाली पेट होने पर कितने केले खा सकती हो?
बीवी- मैं 4 केले खा सकती हूं.
गजोधर (निराश स्वर में बोला)- अगर 6 कहती तो
एक मस्त जोक सुनाता तुझे!!!

BRAIN जिम

1) सूर्य का प्रकाश चंद्रमा से पृथ्वी तक पहुंचने में कितना समय लेता है?
- 1.3 सेकंड

2) भारतीय संविधान में कितनी अनुसूचियां हैं?
- 12

3) पन्ना (मध्य प्रदेश) की खानें किसके लिए प्रसिद्ध हैं?
- हीरा

4) नील नदी का उपहार कौन सा देश कहलाता है?
- मिस्र

5) 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान' का नारा किसने दिया?
- अटल बिहारी वाजपेयी

6) घाना देश का पुराना नाम क्या है?
- गोल्डकोस्ट

7) उस्ताद जाकिर हुसैन का संबंध किस वाद्ययंत्र से है?
- तबला

8) अमेरिका की खोज किसने की?
- 1492 में क्रिस्टोफर कोलंबस ने

9) वंदेमातरम को सर्वप्रथम कब गाया गया?
- 1896 में कलकत्ता में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन में

10) 'सापेक्षता का सिद्धांत' किसने खोजा था?
- अल्बर्ट आइंस्टाइन ने

एक नज़र

ओबीसी आरक्षण में विसंगतियों का मामला

नई परंपरा से फैसला कराने के लिए चार मंत्रियों से मिले हरीश

कुलदीप गुप्ता

जयपुर। ओबीसी आरक्षण विसंगतियों को दूर करने के मामले को लेकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोले पूर्व मंत्री और पंजाब प्रभारी हरीश चौधरी मंत्रियों से मुलाकात कर आरक्षण विसंगतियों को दूर करने की मांग कर रहे हैं। चौधरी ने शनिवार को गहलोत कैबिनेट के मंत्री लालचंद कटारिया, डॉ बीडी कल्ला, शांति धारीवाल और परसादी लाल मीणा से मुलाकात की। इस दौरान हरीश चौधरी ने मंत्रियों को आरक्षण नियमों में विसंगतियों को समझाते हुए जल्द कैबिनेट बुलाकर विसंगतियों को दूर करने की मांग की।

चौधरी ने कहा कि 17 अप्रैल, 2018 में पूर्ववर्ती सरकार ने पूर्व सैनिकों के संबंध में एक अधिसूचना जारी कर उपनियम जोड़ा, जिससे सभी वर्गों का आरक्षण प्रभावित हुआ है। नए नियम से भूतपूर्व सैनिकों का एक भी पद कम नहीं होगा। कैबिनेट में नियम पारित होने के बजाय डेफर होने पर हरीश चौधरी ने सीएम गहलोत पर हमला बोलते हुए इसे नई परंपरा शुरू करने की बात कही। उन्होंने कहा कि मंत्री अपनी बात कह सकते हैं, लेकिन कैबिनेट अप्रूवल ले सकती है, जबकि हमारी मांग को किसी भी स्तर पर कभी भी गैर वाजिब नहीं कहा गया। उन्होंने कहा कि हमारा किसी से कोई विवाद नही है, अब सभी पूर्व पीसीसी के अध्यक्ष, कैबिनेट मंत्रियों सहित वरिष्ठजनों से व्यक्तिगत मांग की जाएगी कि वे आगे आकर युवाओं को न्याय दिलाने में मदद करें।

2018 से पूर्व कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं

हरीश चौधरी ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि एक्स सर्विस मैन को लेकर 2018 से पूर्व कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं था। पूर्व सैनिकों को महिला आरक्षण की तर्ज पर होरिजेंटल रिजर्वेशन हो। उन्होंने कहा कि हमारा किसी के साथ संघर्ष नही है, इसमे असफल रहे तो आंदोलन को लोगों के बीच सड़कों पर लेकर जाएंगे। जायज मांग से पीछे नहीं हटेंगे। विसंगति से हजारों छात्रों के साथ खिलवाड़ हो रहा है।

अवैध खनन गतिविधियों के ख़िलाफ़ कार्रवाई

प्रदेश में 50 से अधिक वाहन जब्त, एक गिरफ्तार

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राज्य के माइंस विभाग द्वारा अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे तीन दिन के विशेष अभियान में पिछले 24 घंटों में ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए खनिजों के अवैध परिवहन में लिप्त 50 से अधिक वाहन जब्त किए जा चुके हैं। माइंस, पेट्रोलियम और पीएचईडी विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया कि राज्य में रात्रिकालीन गश्त के दौरान ही 25 से अधिक वाहनों को बजरी, मेसनरी स्टोन, क्वार्टज, ग्रीट, जिप्सम आदि का अवैध परिवहन करते हुए जब्त किया गया है। जयपुर वृत्त में ही पिछले 24 घंटों में 2 कंप्रेसर सहित 15 से अधिक वाहन जब्त किया जा चुके हैं। एफआईआर के साथ ही एक व्यक्ति की गिरफ्तारी हुई है। अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जयपुर में स्टोनमार्ट का उद्घाटन करते हुए जल्दी ही नई खनिज नीति, खनन श्रमिकों का सिलिकोसिस से बचाव, खनन कार्य में श्रमिकों के सुरक्षा उपाय और खनन क्षेत्र के लिए जल्द पर्यावरण स्वीकृति पर जोर दिया। मुख्यमंत्री गहलोत के निर्देशों के क्रम में विभाग द्वारा पुलिस प्रशासन से समन्वय बनाते हुए तुरंत प्रभाव से तीन दिन का विशेष अभियान चलाने का निर्णय करते हुए राज्य भर में एक साथ कार्रवाई की जा रही है।

गुजरात में गहलोत ने जारी किया कांग्रेस का चुनावी घोषणा पत्र

भाजपा के हिंदुत्व के मुद्दे की काट के लिए गहलोत सरकार की योजनाएँ लागू करने का वादा

हिलव्यू समाचार

जयपुर। कांग्रेस ने गुजरात विधानसभा चुनाव में जनता को लुभाने के लिए राजस्थान की गहलोत सरकार का विकास मॉडल सामने रखा है। शनिवार को कांग्रेस ने अहमदाबाद में जनता के सामने अपने शासन का विजन 'घोषणा-पत्र' के रूप में पेश किया। घोषणा पत्र मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की प्रदेश में लागू की गई ओल्ड पेंशन स्कीम, दस लाख तक का मुफ्त इलाज, फ्री दवा और अंग्रेजी स्कूल खोलने का वादा किया गया है। घोषणा पत्र में कांग्रेस ने लिखा है कि सरकारी नौकरियों में कॉन्ट्रेक्ट व्यवस्था खत्म कर 10 लाख सरकारी नौकरियां दी जाएंगी। इसी तरह के वादों का घोषणा पत्र हिमाचल के विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस ने जनता के सामने रखा था। इसके बाद वहां भी इस स्कीम को लागू करने की मांग तेजी से उठी थी, जिसे लेकर भाजपा बैकफुट पर दिखाई दे रही थी।

ओपीएस, मुफ्त इलाज और बेरोजगारों को भत्ते का वादा

OPS बना बड़ा मुद्दा तीन और राज्यों ने किया लागू

गहलोत सरकार ने सबसे पहले ओल्ड पेंशन योजना लागू गैर भाजपा सरकारों को केन्द्र सरकार के खिलाफ एक बड़ा मुद्दा दे दिया। अब गैर भाजपाई दल इस स्कीम को भाजपा के खिलाफ सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा मान कर इस्तेमाल कर रही है। राजस्थान के अलावा छत्तीसगढ़ की कांग्रेस, पंजाब की आप व झारखंड की सोरेन झामुमो सरकार ने इसे लागू कर दिया। कई राज्यों में कर्मचारी इस योजना को लागू करने के लिए आंदोलन भी कर रहे हैं। हिमाचल और अब गुजरात चुनाव में कांग्रेस ने इसी मुद्दे को भरपूर तरीके से उठाने की रणनीति अपनाई है। गहलोत की मुफ्त इलाज, ओल्ड पेंशन स्कीम आदि योजनाओं को कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल भाजपा के हिन्दुत्व के मुद्दे की काट में इस्तेमाल कर रहे हैं।

राहुल गांधी के आठ वचन पूरे करेंगे: अशोक गहलोत

गुजरात में कांग्रेस के घोषणा पत्र को जारी करते हुए मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि कांग्रेस हमेशा से मेनिफेस्टो को महत्व देती है। सोनिया गांधी का सख्त निर्देश रहता था कि मेनिफेस्टो को प्रायोरिटी में रखें। राहुल गांधी ने जो वचन दिए हैं, उन्हें हर हाल में पूरा किया जाएगा। छह लाख लोगों से पूछकर हमने यह मेनिफेस्टो बनाया है। बता दें, शुक्रवार को राहुल गांधी ने ओल्ड पेंशन स्कीम का समर्थन करते हुए हिमाचल सत्ता में आने के बाद पहली कैबिनेट की बैठक में इस लागू करने का ट्वीट किया था।

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

#मॉडल_स्टेट_राजस्थान

बेहतर शिक्षा. नए अवसर.

सेवा ही कर्म, सेवा ही धर्म

- लगभग 1 लाख प्रतिभाशाली बच्चों को टैबलेट दिये जायेंगे।
- 69681 अध्यापकों की नवीन भर्ती लगभग 90 हजार शिक्षक पदों पर भर्तियाँ प्रक्रियाधीन।
- राज्य में 1658 महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा।
- 10 हजार अंग्रेजी माध्यम शिक्षकों का नवीन काडर।
- राज्य के सभी सेकेण्डरी स्कूलों को सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में क्रमोन्नत करने का निर्णय।
- प्रतिवर्ष 20,000 छात्राओं को स्कूटी वितरण
- बालिका शिक्षा प्रोत्साहन के लिए बालिका प्रोत्साहन योजना, आपकी बेटी योजना एवं गार्गी पुरस्कार के तहत **180.69 करोड़ रुपये** की प्रोत्साहन राशि जारी।
- आरटीई के तहत **1274.78 करोड़ रूपये** की राशि का पुनर्भरण।
- यूनीक आईटी इंस्टीट्यूट - राजीव गांधी फिनटेक डिजिटल इंस्टीट्यूट, जोधपुर में प्रस्तावित, कुल लागत **600 करोड़ रुपये**
- मेडि-टेक, क्लाइमेट टेक एवं एग्रीटेक आदि की उन्नत तकनीकों पर रिसर्च के लिए - राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड लर्निंग, जयपुर।
- जयपुर, जोधपुर एवं कोटा में राजीव गांधी नॉलेज इनोवेशन हब कुल लागत **200 करोड़ रुपये**
- फिनिशिंग स्कूल: राजीव गांधी सेंटर ऑफ एडवांस्ड टेक्नोलॉजी (R-CAT),जयपुर
- गत 4 वर्षों में 211 नवीन महाविद्यालय खोले गए। इनमें से 94 कन्या महाविद्यालय ।
- जिन विद्यालयों में 500 से अधिक छात्राएं वहां कन्या महाविद्यालय खोलने की घोषणा।
- प्रतिवर्ष 200 बच्चों की विदेश में पढ़ाई का खर्च राज्य सरकार द्वारा वहन।
- गत 4 वर्षों में 42 नवीन कृषि महाविद्यालय।

"राज्य में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अथक प्रयास किये गये हैं। इसके फलस्वरूप आईआईटी, आईआईएम, आईआईआईटी, एनआईएफटी, एफडीडीआई, एम्स, एनएलयू, आयुर्वेद विश्वविद्यालय, हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय तथा डॉ. बी.आर. अम्बेडकर विधि विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान आज राजस्थान में संचालित हैं। राज्य में तकनीकी और मेडिकल शिक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है। सभी जिलों में मेडिकल कॉलेज खुल रहे हैं। निजी क्षेत्र में विश्वविद्यालय खोले जाने की अनुमति से राज्य में शिक्षा का वातावरण बना है और विश्वविद्यालयों की संख्या 6 से बढ़कर 89 हो गई है। इससे राज्य के विद्यार्थियों को अन्य प्रदेशों में जाने के स्थान पर प्रदेश में ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है। साथ ही मुझे प्रसन्नता है कि राज्य के राजकीय शिक्षण संस्थानों में छात्राओं का नामांकन छात्रों से अधिक हो गया है। बालिका शिक्षा के लिए किए गए कार्यों से आज हमारी बेटियां शिक्षा जगत में नए आयाम स्थापित कर रही हैं एवं उनमें गजब का आत्मविश्वास है।"

अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री, राजस्थान

राजस्थान संवाद

अधिक जानकारी के लिए 181 पर कॉल करें या https://jankalyan.rajasthan.gov.in पर विजिट करें

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

SMS मेडिकल कॉलेज में नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज का 62वां अधिवेशन

‘चिकित्सा विज्ञान की तरक्की के लिए रिसर्च को बढ़ावा देना बेहद जरूरी’

हिलव्यू समाचार
जयपुर। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि सालों पहले हम कैम्पस में बौद्धिक क्षमता और शिक्षा का ज्ञान तो देते रहे, लेकिन बदलते समय के अनुरूप हमने उन कैम्पस को चिकित्सा विज्ञान के लिए इनोवेशन का सेंटर नहीं बनाया। जिसका परिणाम है कि आज दुनिया के कई देश हमसे आगे निकल गए हैं। लोकसभा अध्यक्ष एसएमएस मेडिकल कॉलेज में आयोजित नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज के 62वें अधिवेशन एवं नव निर्वाचित मेंबर्स एवं फेलोज का दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में देश भर के 500 विशेषज्ञ जुट रहे हैं, जो चिकित्सा विज्ञान के नए आयामों और शोध की दिशा पर मंथन करेंगे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि कोविड काल में जब दुनिया के अंदर इस वैश्विक महामारी की भयंकर स्थिति थी, उस समय देश के डॉक्टरों ने मानवीय सेवा से अपने जीवन को दांव पर लगाकर सेवा समर्पण से प्रतिष्ठा पाई। कोरोना जैसे संकट के समय चिकित्सकों ने बता दिया कि डॉक्टर भगवान होता है। बिरला ने कहा कि देश ने चिकित्सा विज्ञान में प्रगति की है, लेकिन दुनिया के कई देशों के मुकाबले अभी भी पीछे है। उसकी बराबरी के लिए रिसर्च को बढ़ावा देना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री जिनका एक नया विजन है भारत को एक नई ऊंचाई पर पहुंचाने का काम कर रहे है।

चिकित्सा के नए आयामों पर चर्चा

अधिवेशन के आयोजन सचिव डॉ. शिव गौतम ने बताया कि देशभर से 500 विशेषज्ञ 15 सत्रों में चिकित्सा विज्ञान के नए आयामों और भविष्य में होने वाले शोध की दिशा पर मंथन कर रहे हैं। उन्होंने बताया की कोरोना के बाद मानसिक तनाव को लेकर कई शोध पत्र प्रस्तुत किए गए हैं। उन पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके अलावा विभिन्न विषयों पर नेशनल एकेडमी की टास्क फोर्स की रिपोर्ट प्रेषित की गई है। 2022 के नवाचारों पर विशेष व्याख्यान आयोजित हो रहे हैं। सेमिनार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन हेल्थ एंड मेडिसिन, चिकित्सा विज्ञान में स्वास्थ्य एवं उपचार में कृत्रिम बुद्धि का उपयोग, बदलते हुए विश्व में स्वास्थ्य कर्मियों के लिए कौशल, मेडिकल साइंस में इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी का उपयोग, फैटी लीवर डिजीज पर भी चर्चा हुई है। रविवार को 40 से कम आयु के चिकित्सा वैज्ञानिकों के लिए वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा मेंटर मेंटी प्रोग्राम का विशेष सत्र आयोजित होगा।

अधिवेशन में ये रहे मौजूद

अधिवेशन का उद्घाटन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने किया। विशिष्ट अतिथि डॉ. अतुल गोयल डायरेक्टर जनरल हेल्थ सर्विसेज दिल्ली, प्रोफेसर अजय सूद प्रधानमंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार, नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके सारस्वत और राजस्थान यूनिवर्सिटी एंड हेल्थ साइंसेज के कुलपति डॉ. सुधीर भंडारी रहे। नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंस के अध्यक्ष डॉ. शिव कुमार सरीन, सचिव डॉ. उमेश कपिल सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ.राजीव बगरहट्टा भी मौजूद रहे।

बिड़ला सभागार में मेगा जॉब फेयर आज से

जयपुर। बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए बिड़ला सभागार में 14 एवं 15 नवंबर को मेगा जॉब फेयर आयोजित किया जाएगा। फेयर के प्रति उत्साह दिखाते हुए 30 हजार से अधिक ने रजिस्ट्रेशन करवाया है। कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता विभाग की आयुक्त रेणु जयपाल ने बताया कि कोरोना काल में ऑनलाइन रोजगार मेलों के आयोजन के बाद पहली बार जयपुर में 14 एवं 15 नवम्बर को मेगा जॉब फेयर का भव्य आयोजन किया जाएगा।

अजमेर सैटेलाइट चिकित्सालय के लिए 80 नए पद

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा निरोगी राजस्थान की संकल्पना को साकार करने के लिए निरंतर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। गहलोत ने अजमेर के राजकीय सैटेलाइट चिकित्सालय में 80 नवीन पदों के सृजन को स्वीकृति दी है। इस स्वीकृति से अब चिकित्सालय में मेडिसिन, सर्जरी, स्त्री रोग, निश्चेतन का एक-एक पद, अस्थि रोग, ई.एन.टी, चर्म एवं रति रोग, दंत रोग, शिशु रोग का एक-एक पद, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के 3 पद, चिकित्सा अधिकारी के 11 पद, नर्स ग्रेड-प्रथम के 5 पद, नर्स ग्रेड-द्वितीय के 32 पद, लैब टैक्निशियन एवं तकनीकी सहायक संवर्ग के 3 पद स्वीकृत किए गए हैं।

सत्ता वापसी पर मंथन: पदाधिकारियों का बूथ मज़बूती पर फोकस

कांग्रेस का खात्मा तय चल रही BJP की लहर: सिंह

हिलव्यू समाचार
जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह ने शनिवार को दावा किया कि राजस्थान में उनकी पार्टी के पक्ष में लहर चल रही है और अगले साल होने वाले विधानसभा में भाजपा की सबसे बड़ी जीत होगी। अरुण सिंह ने कहा कि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत में सबसे बड़ा कारक मोदी सरकार की जनकल्याणकारी नीतियां होंगी। उन्होंने कहा कि राज्य में पार्टी के संगठन को मजबूत करने के लिए बूथ और पन्ना तक का 90 प्रतिशत से अधिक काम पूरा हो गया है।

भाजपा प्रदेश कार्यसमिति में भाग लेने झुंझुनूं पहुंचे सिंह ने मीडिया से कहा कि संगठन के सशक्तीकरण के लिए नवाचारों के साथ विभिन्न कार्यक्रम चल रहे हैं और कांग्रेस सरकार के खिलाफ पूरे राज्य में ‘सत्ता विरोधी लहर’ है।

भाजपा के प्रदेश पदाधिकारियों, जिला अध्यक्ष एवं जिला प्रभारी की बैठकों का आयोजन शनिवार को झुंझुनूं जिले के चुड़ेला में हुआ, वहीं प्रदेश कार्यसमिति की बैठक रविवार को होगी। इसमें राज्य के संगठनात्मक, जनहित के मुद्दों व आगामी कार्ययोजना पर विभिन्न सत्रों का आयोजन होगा। बैठकों में राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय, प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां, प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर, प्रदेश सह-प्रभारी विजया राहटकर ने संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा की और आगामी रणनीति पर चर्चा की गई।

शेखावाटी में अपार संभावना: पूनियां

सतीश पूनियां ने कहा कि झुंझुनूं सहित समूचे शेखावाटी क्षेत्र में भाजपा के लिए अपार संभावनाएं हैं, प्रदेश कार्यसमिति के झुंझुनूं में आयोजन से भाजपा के मिशन-2023 और 2024 को बड़ी मजबूती मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में 2023 में प्रचंड बहुमत की राजस्थान में भाजपा सरकार बनेगी और 2024 में लोकसभा की सभी 25 सीटें भाजपा जीतेगी।

आने वाले दिनों में लगातार आंदोलन

कांग्रेस सरकार की वादाखिलाफी के खिलाफ भाजपा सड़क से लेकर सदन तक मजबूती से लड़ाई लड़ रही है और आगामी दिनों में किसानों के साथ कर्जमाफी के नाम पर वादाखिलाफी, युवाओं के साथ वादाखिलाफी, रीट पेपर लीक, ध्वस्त कानून व्यवस्था, भ्रष्टाचार का तांडव, महिला सुरक्षा इत्यादि को लेकर आंदोलनों और रैलियों के जरिए जनता के बीच जाएंगे।

एक नज़र

16 नवंबर को मनाया जाएगा भैरव जन्मोत्सव

हिलव्यू समाचार
जयपुर। पंडित डॉ. रविंद्राचार्य अंतरराष्ट्रीय भविष्यवक्ता ने बताया कि पूरे भारत में भैरव जन्मोत्सव 16 नवंबर 2022 को मनाया जाएगा। आचार्य रविन्द्र ने बताया कि भैरुजी की उत्पत्ति शिवजी के भृकुटी से हुई है। भैरव 52 प्रकार के है और विशेष कृपा प्राप्ति हेतु-

■ भैरू जन्मोत्सव पर कंगन, कचोरी, गुलाब की माला, लोंग, पतासे का भोग लगाएं और भैरव नामावली के पाठ करें सभी प्रकार की मनोकामना पूर्ण होगी। ■ आचार्य ने बताया कि नज़रदोष,शत्रु बाधा के लिए मीठी रोटी बनाएं और भैरू वाहन स्वान को खिलाएं। ■ व्यापार वृद्धि के लिए व्यापार स्थल पर बैठकर इस मंत्र का जाप करें ओम श्री बटुक भैरवाय नमः।

आचार्य ने बताया कि रींगस भेरुजी के जन्मोत्सव की शुरुआत आचार्य ने प्रारंभ की थी उनको आभास हुआ और आदेश हुआ तब से रींगस भेरुजी का जन्मोत्सव मनाते आ रहे हैं भैरव जी का विशेष श्रृंगार होता है और मावे का केक बनाकर भक्तों को वितरित किया जाता है सभी भैरव के जन्मोत्सव पर दीप प्रचलित करें ,माला प्रसाद चढ़ाएं सभी की मंगल कामना पूर्ण हो जाएंगी।

केवट कहार समाज ने की केवट कहार समाज कल्याण बोर्ड गठन की मांग

हिलव्यू समाचार
कोटा (संजीव सक्सेना)। कोटा में प्रेस वार्ता के दौरान उमा शंकर कहार और सरिता केवट ने बताया कि पिछले 12 वर्ष से वे आन्दोलन कर रहे हैं। जब समाज के प्रतिनिधियों से प्रश्न किया गया कि आपने किस-किस स्थानीय जन प्रतिनिधि से मांग की तो उन्होंने पत्रकारों को संबोधित करते हुए बताया कि यूडीएच मंत्री धारीवाल जी ने वादा किया था लेकिन आज तक पूरा नहीं किया। अब राहुल गाँधी जी की भारत जोड़ो यात्रा कोटा आने की संभावना है तो उस दौरान विरोध प्रदर्शन किया जाना प्रस्तावित है । एक सूत्रीय मांग केवट कहार समाज कर रहा है।

बाल दिवस आया

बाल दिवस का ये शुभ दिन आया है
बच्चों में खुशियां-उल्लास समाया है।
चाचा नेहरू का जन्म दिवस मनाएंगे
नेहरू को हम चाचा कहके पुकारेंगे।
नेहरू जी को लगते बच्चे बड़े प्यारे हैं
बच्चे लगते इनको न्यारे-न्यारे हैं।
नेहरू चाचा बच्चों के लगते दुलारे हैं
तभी ये चाचा-चाचा कहके पुकारे हैं।
ये बच्चों को बांटते थे रंगीले-गुब्बारे हैं
और साथ में इनके ये समय गुजारे हैं।
चाचा नेहरू को लगते गुलाब प्यारे हैं
तभी तो इसे अचकन में ओ उतारें हैं।
नेहरू बने सबसे पहले प्रधानमंत्री हैं
पंचशील दिया तुमने इसी में शांति है।
शांति सद्भावना आपको बड़े प्यारे थे
भारत माता के तुम आँखों के तारे थे।

अशोक पटेल "आशु"

(14 नवम्बर बाल दिवस विशेष)

बच्चों को सिखाया जाना चाहिए कि कैसे सोचना है, न कि क्या सोचना है?

आज के भारतीय परिपेक्ष्य में जब रिश्तों के बदलते समीकरण, एक-दूसरे के प्रति गिरते हुए मूल्य, एक-दूसरे के लिए सम्मान की कमी, हिंसा और किशोर बलात्कार जैसे अपराध चरम पर हैं, ऐसे में सोचने का तरीका बताना, बच्चों के मन में धारना अनिवार्य हो गया है। यह प्यार, सहानुभूति, देखभाल, कृतज्ञता और नैतिकता के बुनियादी मानवीय मूल्यों के साथ उनके समग्र व्यक्तित्व का पोषण करेगा। वे केवल अपने बारे में नहीं बल्कि दूसरों के बारे में भी सोचेंगे। निश्चित रूप से समाज के प्रति उनका निस्वार्थ रवैया होगा जो इस समाज में एक व्यक्ति को रहने लायक बनाने के लिए मदद करता है।

आज बाल दिवस है, यह अपने बचपन की सुखद यादें लाता है। रद्दी किताबों, रंगों और शिल्प से लेकर कहानी की किताबें पढ़ना और सहपाठियों और दोस्तों के साथ उसी पर चर्चा करना। या शायद खेल के मैदान पर शाम को दोस्तों के साथ एक या दो खेल खेलना और स्कूल में पाठ्यक्रम को पूरा करने के लिए होमवर्क और पढ़ाई पूरी करने के लिए लौटना। लेकिन अब ये चीजें काफी बदल गई हैं। बच्चों के लिए स्कूल, ट्यूशन, अतिरिक्त कक्षाओं से लेकर व्यस्त कार्यक्रम है और हाथ में मोबाइल जीवन में सरल चीजों के साथ उनकी मासूमियत को पूरी तरह से दूर कर रहा है।

आज के बच्चे भावी पीढ़ी बनने जा रहे हैं इसलिए उन्हें पढ़ाते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए। मार्गरेट मीड द्वारा प्रसिद्ध कहावत ‘बच्चों को सिखाया जाना चाहिए कि कैसे सोचना है, न कि क्या सोचना है‘ को नवोन्मेषी दिमाग वाले बच्चों को बनाने के लिए अभ्यास में लाने की आवश्यकता है। शिक्षकों, शिक्षकों और माता-पिता को बच्चों को अपने लिए सोचने, उनकी रुचियों का पालन करने और उनकी जिज्ञासाओं को प्रेरित करने वाले विचारों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित करना होगा।बेंजामिन ग्रीन कहते हैं, ‘सबसे बड़ा अत्याचार

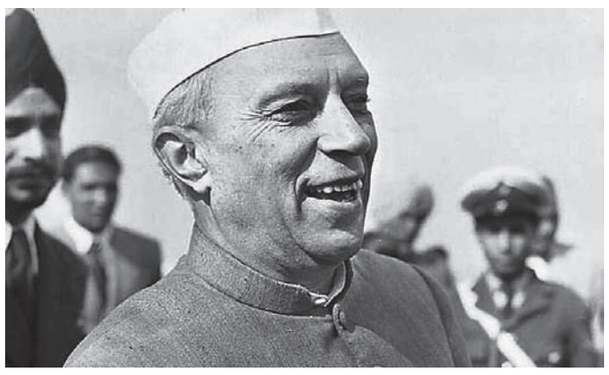

हमारे बच्चों को एक ऐसी प्रणाली में शामिल करना है जो उनकी रचनात्मक अभिव्यक्ति को महत्व नहीं देता है और न ही उनकी अद्वितीय क्षमताओं को प्रोत्साहित करता है।‘ अब जो शिक्षा प्रणाली प्रचलित है, वह चाहती है कि बच्चे उस तरह से सोचें जैसे दूसरे सोचते हैं और शिक्षा को और अधिक औद्योगीकृत बनाते हैं। यह केवल उन रोबोटों के मामले में काम करेगा जिन्हें की जाने वाली क्रियाओं के बारे में प्रोग्राम किया गया है। बच्चों की अनूठी प्रतिभाओं को सामने लाने के लिए सबसे पहले इसे बदलना होगा। बच्चों की रचनात्मक अभिव्यक्ति को महत्व देना होगा और उनकी अद्वितीय क्षमताओं को प्रोत्साहित करना होगा।

एक बच्चे को अपने दम पर सीखना, भूलना और फिर से सीखना सिखाया जाना चाहिए। अवधारणा को याद करने और उसे उजागर करने से बच्चों की सोचने की क्षमता नष्ट हो जाएगी, बल्कि अवधारणा को समझने और सार्थक सामग्री का निर्माण करने से उनकी सोचने की क्षमता में वृद्धि होगी। तार्किक सोच, आलोचनात्मक सोच और तर्क ऐसे कौशल हैं जिन्हें बच्चों में कम उम्र में ही विकसित करने की आवश्यकता है। बच्चों को उनकी ताकत और कमजोरियों का एहसास कराना माता-पिता और शिक्षकों द्वारा किए जाने वाले महत्वपूर्ण कदमों में से एक है। बच्चों की जिज्ञासा को जगाना और उन्हें विभिन्न आयामों से स्वयं सोचने में सक्षम बनाना। इससे वे अपने जीवन में किसी भी स्थिति का सामना करने और संभालने में सक्षम होंगे।

बच्चे के दिमाग की खाली जगह में ‘क्या‘ भरने के बजाय ‘कैसे‘ और ‘क्यों‘ को प्रतिबिंबित करने की आवश्यकता है, क्योंकि उनके भविष्य के जीवन में किसी भी प्रकार के कार्य के बारे में तर्कसंगत विचार और ईमानदार दृष्टिकोण देना बहुत महत्वपूर्ण है। उन्हें अपनी गलतियों को सुधारने और दूसरों को भी सुधारने में सक्षम करेगा। उदाहरण के लिए एक बच्चा नैतिक मूल्यों की कविता का अच्छी तरह से पाठ कर सकता है लेकिन उन मूल्यों को अपने जीवन में कैसे लागू करना उसके लिए एक कठिन काम होगा। अपने पूरे जीवन भर नहीं सीखता वह केवल वही सीखता है जो माता-पिता, शिक्षक आदि द्वारा सिखाया जाता है, तो वह एक निष्क्रिय सदस्य बन जाएगा। वह उन्हीं मान्यताओं, अंधविश्वासों, प्रतिगामी सोच को प्राप्त करेगा और उनमें से किसी की भी वर्तमान समाज या उसके जीवन में प्रासंगिकता पर सवाल नहीं उठाएगा। हो सकता है, वह अपने बच्चों को भी वही अलोकतांत्रिक मूल्य सौंपे और इस प्रकार निर्विवाद रवैये का एक चक्र विकसित होगा जो निश्चित रूप से समाज की प्रगति और विकास में बाधा बनेगा। ऐसा समाज अव्यवहारिक हठधर्मिता, प्रतिगामी सोच से ग्रस्त होगा। इस प्रकार, यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि बच्चों को यथासंभव विचार की स्वतंत्रता दी जाए, ताकि वे प्रगतिशील व्यक्ति बन सकें और समाज में अच्छा योगदान दे सकें।

प्रियंका सौरभ
रिसर्च स्कॉलर इन पोलिटिकल साइंस,कवयित्री, स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार, आर्यनगर, हिसार (हरियाणा)

उपायुक्त सुरेश राव की झूठी की रिपोर्ट की प्रति छाया जो अदालत में पेश की गई।

पेज एक का शेष...

न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, क्रम 5,
जयपुर महानगर द्वितीय

विविध दीवानी अपील संख्या........../2022

सियाराम दास, महन्त/पुजारी कनक बिहारी मन्दिर,

बनाम

राजेश सोनी व अन्य

विविध दीवानी अपील

जवाब मय लिखित बहस

मान्यवर महोदय,

रेस्पोडेन्ट नम्बर 2 की ओर से जवाब मय लिखित बहस निम्न प्रकार प्रस्तुत किया जाता है:-

1. यह कि उक्त उनवानी अपील मान्य न्यायालय के समक्ष लंबित है जिसमे आज की पेशी नियत हैं।
2. यह कि मंदिर के प्रथम तल एवं छत पर रिनोवेशन का कार्य करवाया जा रहा था। नगर निगम मे उक्त मंदिर मे निर्माण कार्य सम्बंधी शिकायत मिलने पर मोके पर एक गार्ड लगाया गया था इसके बाद मोका स्थिति की जांच करने पर पाया गया कि

2

मंदिर मे निर्माण कार्य नही करवाकर मात्र रिनोवेशन का कार्य मंदिर की आवश्यकतानुसार करवाया जा रहा था। मंदिर मे किसी प्रकार का गैर अनुचित निर्माण कार्य नही करवाया जा रहा था।

3. यह कि गोवर्धनपुरी कच्ची बस्ती मे काफी अर्सा पूर्व से राजकीय बालिका प्राथमिक विधालय अन्यत्र स्थान पर संचालित हो रहा हैं।
4. यह कि मोके की जांच करने पर यह स्थिति सामने आई कि कनक बिहारी जी का मदिर काफी पुराना बना हुआ है तथा निर्माण कार्य काफी वर्षो पूर्व का कराया हुआ है तथा मोका स्थिति अनुसार मंदिर परिसर मे किसी प्रकार का नवनिर्माण नही कराया जा रहा है बल्कि पुराने मे रिनोवेशन का कार्य करवाया जा रहा है।
5. यह कि मंदिर परिसर मे मोजूदा निर्माण काफी पुराना होने के कारण भक्तो व जनता की सुविधा को देखते हुये मात्र रिनोवेशन का कार्य करवाया जा रहा है कोई नवीन निर्माण कार्य नही करवाया जा रहा है।

3

6. यह कि मंदिर परिसर मे मात्र रिनोवेशन का कार्य करवाया जा रहा है जो कि नवनिर्माण की श्रेणी मे नही जाने के कारण निगम के भवन निर्माण सम्बंध बने नियमो- उपनियमो के अनुसार किसी प्रकार की निर्माण अनुमति प्राप्त किया जाना आवश्यक नही है।

अतः जवाब व लिखित बहस प्रस्तुत है।

जयपुर,
दिनांकः- 02/11/2022

रेस्पोडेन्ट नं. 2
उपायुक्त
आदर्श नगर जोन, जयपुर।

प्रति हस्ताक्षरित सत्य प्रतिलिपि
मुख्य प्रतिलिपिक, प्रतिलिपि शाखा (प्राजेज/ए.सी.एम.एम.कोर्ट) जिला एवं सेशन न्यायालय जयपुर महानगर द्वितीय

बेहद शर्मनाक बात है कि आदर्शनगर जोन के उपायुक्त सुरेश राव ने अदालत में झूठी रिपोर्ट प्रस्तुत कर पूरे प्रशासनिक सेवकों के अस्तित्व पर प्रश्नचिन्ह खड़े कर दिए कि क्या एक आरएएस अफ़सर,ज़िम्मेदार पद पर बैठा प्रशासनिक अधिकारी भी सरकार और अदालत की आँखों में धूल झोंक सकता है? सबसे बड़ी बात कि प्रतिउत्तर में उनका बचकाना जवाब आता है कि 'मैंने बिना देखे हस्ताक्षर कर दिए कई फ़ाइलें आतीं हैं टेबल पर', यह कहकर बचने वाले उपायुक्त क्या अदालत में पेश होने वाले कागज़ों पर भी आँख बंद कर हस्ताक्षर कर देते हैं? यह सरकार के लिए सोचनीय विषय है कि उनके प्रतिनिधि आँख बंद करके सेवाएँ देते हैं!

गलतागेट गोवर्धनपुरी राजकीय बालिका विद्यालय की ज़मीन जो नक़्शे में ख़ुद के अस्तित्व के होने की गवाही दे रही है जिसे शासन और प्रशासन का भ्रष्टाचार मिटा देना चाहता है।

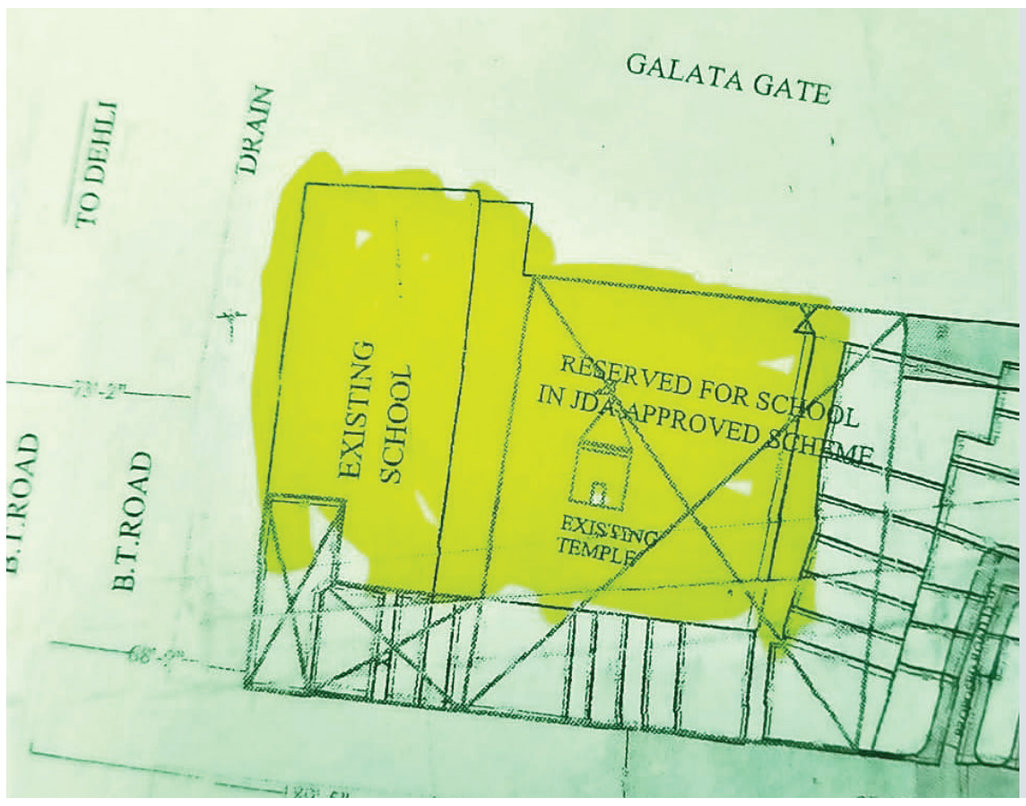

02.11.22
आज रेस्पोडेन्ट नं. 2 की ओर से जवाब लिखित बहस पेश की। प्रार्थी के साथ नियत ता. पेशी 05.11.22 को पेश हो।

प्रेम रतन ओझा
जिला एवं सेशन न्यायाधीश ... 05 जयपुर महानगर

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

... 2008

राज्य लोक सूचना अधिकारी एवं आयुक्त ... जयपुर नगर निगम

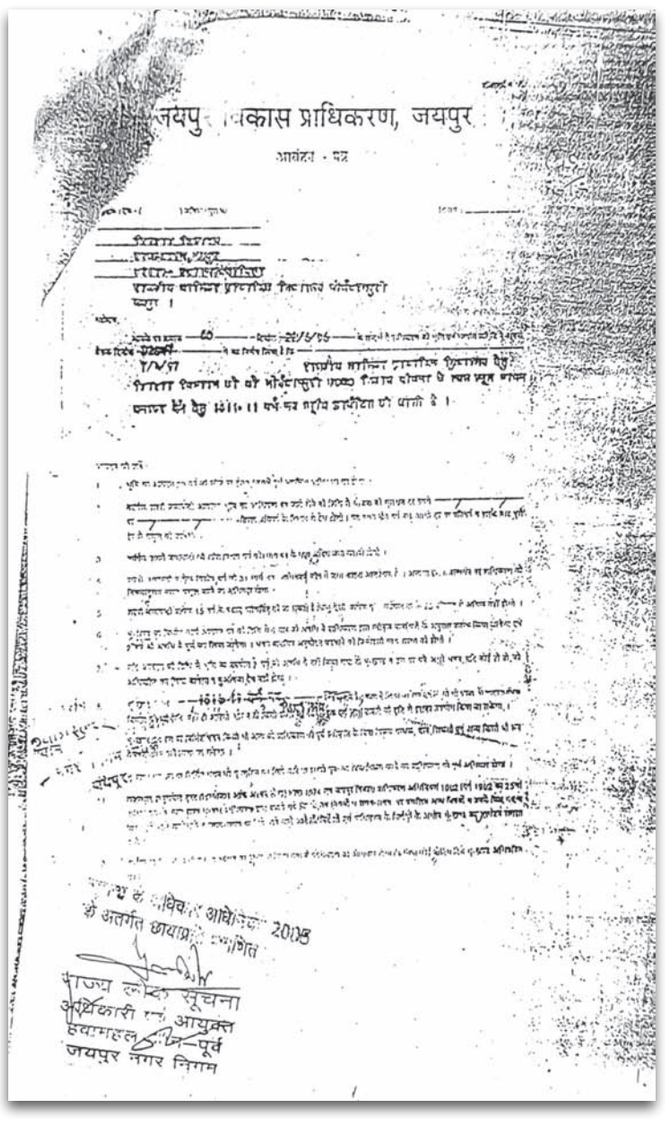

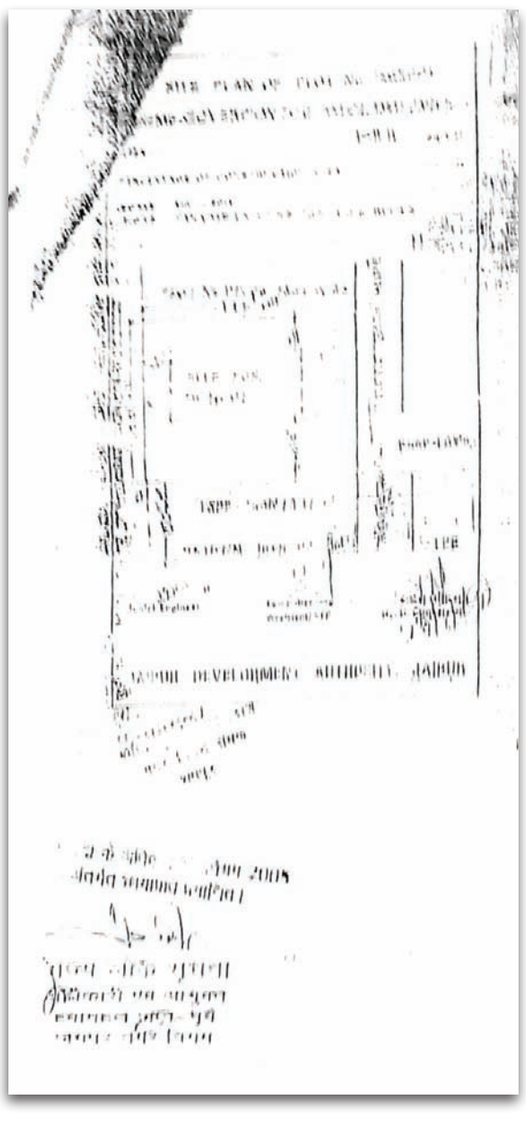

जेडीए द्वारा राजकीय बालिका विद्यालय हेतु आवंटित की गई ज़मीन जिसे अतिक्रमणकारी साधुसियाराम विधायक रफ़ीक़ ख़ान के इशारे पर अवैध निर्माण, अतिक्रमण कर हथिया रहा है और आदर्शनगर जोन उपायुक्त सुरेश राव और निगम के ज़िम्मेदार अफसर इसमें पूरा सहयोग कर रहे हैं।

समय को नापना कोई बहुत बड़ी चुनौती नहीं रही, लेकिन जैसे-जैसे लोगों और वैज्ञानिकों को ज्यादा सटीकता की जरूरत पड़ी, समय की और ज्यादा बेहतर और सटीक रूप से मापने की जरूरत पड़ी. पहले पेंडुलम वाली घड़ियों का बोलबाला था, फिर बैटरी वाली घड़ियों के बाद अब इलोक्ट्रॉनिक घड़ियों का जमाना आया. लेकिन दूसरी तरफ वैज्ञानिक और भी कम से कम समय के मापन के प्रयास करते रहे हैं. समय मापन के लिए शुरुआत और अंत के बीच का अंतराल निश्चित करना तब चुनौती होती है जब यह अंतराल कम होता जाता है. नए अध्ययन में सुझाया गया है कि क्वांटम फॉग का आकार इसका समाधान हो सकता है.

वैज्ञानिकों ने खोजा समय मापने का नया तरीका

समय के अंतराल का निर्धारण

रिजबर्ग इलेक्ट्रॉन की गतिविधियों के गणित को रिजबर्ग वेव पैकेट कहा जाता है. शोधकर्ता अपने नए प्रयोगों में क्वांटम स्तर के टाइमस्टैम्पिंग को निर्धारित करने में सफल रहे. उनके शोध में उन्होंने हीलियम के परमाणुओं को लेजर से उत्तेजित किया और अपने नतीजों को सैद्धांतिक अनुमानों से तुलना कर दर्शाया कि कैसे समय के अंतराल के नतीजों में सुनिश्चित किया जा सकता है.

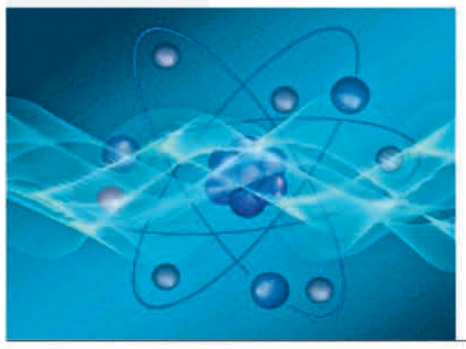

शुरुआती बिंदु की जरूरत नहीं

इस अध्ययन की अगुआई करने वाले उपसाला यूनिवर्सिटी की भौतिकविद मार्था बेरहोल्ट्स ने बताया कि अगर हम किसी काउंटर का उपयोग शून्य से परिभाषित करते हैं तो हम उसी बिंदु से गिनना शुरू करते हैं. इसका फायदा यह होता है कि हमें फिर घड़ी को शुरू करने की जरूरत नहीं होती है. ऐसे में क्वल इंटरफरेंस संरचना को देखने की जरूरत होती है जो कि केवल 4 नैनो सेकेंड था. महीन पैमाने पर रिडबर्ग वेव पैकेट तकनीक में कई तरह के स्पैक्ट्रोस्कोपी का उपयोग बहुत छोटे अंतराल की घटनाओं के लिए किया जा सकता है. खास तौर पर ऐसे मामलों में, जहां अभी और तब यानी शुरुआती और अंतिम बिंदु तय करना स्पष्ट नहीं होता है या असुविधाजनक होता है. इन संकेतको के जरिए 1 सेकेंड के 1.7 ट्रिलियन के हिस्से तक की घटना का मापन किया जा सकता है. भविष्य की क्वांटम वॉच में प्रयुक्त हीलियम की जगह दूसरे परमाणु और अलग-अलग ऊर्जा वाले लेजर का भी उपयोग किया जा सकता है.

रिडबर्ग अवस्था का महत्व

स्वीडन की उपसाला यूनिवर्सिटी के सोधकर्ताओं ने रिडबर्ग अवस्था पर प्रयोग ने समय के मापन का नया तरीका खोजने में मदद की है. यह अवस्था किसी भी वस्तु की तरंग वाली प्रकृति को कहा जाता है. इस नए तरीके खास बात यह है कि अंतराल मापन के लिए सटीक शुरुआत बिंदु को निर्धारित करने की जरूरत नहीं होती है.

खास होते हैं रिडबर्ग परमाणु

रिडबर्ग परमाणुओं को कणों की दुनिया में एक ज्यादा ही फूले हुए गुब्बारे की तरह समझा जा सकता है. इनमें फर्क इतना होता है कि ये हवा की जगह लेजर से फूले हुए होते हैं. इन परमाणुओं में इलेक्ट्रॉन बहुत ही उच्च अवस्था में होते हैं और केंद्रक से बहुत दूर स्थित होते हैं. इसके लिए लेजर का उपयोग इलेक्ट्रॉन को उच्च ऊर्जा में लाने के लिए कई तरह से उपयोग में लाने के लिए किया जाता है.

उपयोगिता

कुछ अनुप्रयोगों में एक दूसरी लेजर का उपयोग इलेक्ट्रॉन की स्थितियों और समय में बदलाव पर नजर रखने के लिए किया जाता है. इस तकनीक का उपयोग कुछ बहुत ही ज्यादा तेजी से इलेक्ट्रॉनिक्स की गति मापने के लिए भी किया जा सकता है. इंजीनियरों के लिए परमाणुओं को रिडबर्ग अवस्था में लाना कोई बहुत कठिन नहीं है, खास तौर से तब जब क्वांटम कंप्यूटर के नए हिस्सों को डिजाइन करना होता है.

दुनिया का सबसे बड़ा पक्षी

जीता है 75 साल

लेटिन अमेरिका के देशों में एंडीज पहाड़ी श्रृंखला के आसपास ऊंचाई पर एक पक्षी पाया जाता है जो इतना बड़ा होता है कि इसे उड़ता हुआ जानवर भी कहा जाता है. ये 75 साल तक जीता है. इसे कोंडोर कहते हैं. यह दुनिया का सबसे विशालकाय उड़ने वाला पक्षी है. एंडियन कंडोर (Andean condor) नाम के इस गिद्ध प्रजाति के पक्षी के पंखों का फैलाव 11 फीट तक तथा वजन 15 किलो तक होता है. कभी-कभी ये अपने वजन से ज्यादा खा लेता है. तब ये आराम करता है. जब खाना पचा लेता है, तब उड़ने की कोशिश करता है.

विलुप्त होने वाली प्रजातियों के करीब

आमतौर पर ये पक्षी एंडीज पर्वतश्रृंखला के आसपास पाया जाता है. एंडीज पर्वत श्रृंखला दुनिया में सबसे लंबी है और कई देशों तक फैली है. इसमें लेटिन अमेरिका के 7 देश आते हैं, जिसमें वेनेजुएला, कोलंबिया, इक्वाडोर, पेरू, बोलिविया, चिली और अर्जेंटीना शामिल हैं. इस पहाड़ी श्रृंखला के आसपास ये उड़ता या बैठा हुआ नजर आ जाएगा. ये अपना घोंसला बहुत ऊंचाई पर बनाता है. कुछ लोग इसके आकार-प्रकार के कारण इसे दुनिया का सबसे बड़ा उड़ता हुआ जानवर भी कहते हैं. इसे लेकर एंडीज से जुड़ी मिथकीय कहानियां भी हैं. इसमें नर और मादा के बीच एक ही भेद होता है, इसकी गर्दन पर अगर सफेद रंग का कॉलर है तो ये नर होता है अन्यथा मादा. आमतौर पर ये अर्जेंटीना और पेरू में ज्यादा पाया जाते हैं. वैसे अब जिस तरह इनकी संख्या घट रही है तो उन्हें विलुप्त होने वाली प्रजातियों के करीब माने जाने लगा है. वजह है जंगलों का कटाव और इनका शिकार.

पर्यावरण को रखते हैं साफ

एंडीयन कोंडोर आमतौर पर ऊंचाई पर रहते हैं. वो समुद्र के किनारे आई मरी मछलियों को खाते हैं. वैसे वो दूसरे मृत जंतुओं को भी खा लेते हैं. इस लिहाज से उन्हें पर्यावरण को साफ रखने वाला पक्षी कहा जा सकता है. दूरदराज के सन्नाटे वाले समुद्र तटों पर भी उन्हें लेटिन अमेरिका में देखा जाता है. खाने की तलाश में वो रोज तकरीबन 120 मील उड़ते हैं. हालांकि वो दूसरी पक्षियों के घोंसले में भी झपट्टा मारकर खाना खा लेते हैं. आमतौर पर वो बहुत अच्छे शिकारी गिद्ध प्रजाति के पक्षी नहीं होते. चूंकि वो अच्छे शिकारी नहीं होते और उनका शरीर शिकार करने के लिए नहीं बना लगता, लेकिन ये भी है कि वो मझोले आकार वाले जानवरों को मारने में सक्षम होते हैं, जैसे भेड़ और इसी तरह के जानवर. इनकी उम्र 60 से 75 साल तक होती है. हालांकि एंडीज पहाड़ियों पर निवास करने वाले लोग उन्हें अमर पक्षी मानते हैं. हालांकि कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो उन्हें बुरा मानते हैं और मार देते हैं. वैसे उनकी प्रजनन दर कम होती है. 05-06 साल की उम्र के बाद वो प्रजनन में सक्षम होते हैं.

पेरू में इससे कराते हैं बुल फाइटिंग

- इन पक्षियों के साथ एंडीज पहाड़ियों से लगे इलाकों में होने वाले समारोहों में अच्छा सलूक नहीं होता. पेरू और अर्जेंटीना में इन्हें बैलों की पीठ पर बिठाकर दौड़ाया जाता है, और तब दोनों आपस में लड़ते हुए देखे जाते हैं. जिसका लोग मजा लेते हैं.
- पीठ से कोंडोर को इस तरह बांध दिया जाता है कि वो न तो उड़ सकता है और न गिर सकता है. वैसे बैल उसे दौड़ के दौरान लगातार गिराने की ही कोशिश करता है. हालांकि इन खेलों पर अब प्रतिबंध लगाया जा रहा है. इस दौड़ के दौरान कोंडोर जब तनाव में आ जाता है तो वह बैल के कानों को खाने की कोशिश करता है या फिर उसकी पीठ पर चोंच मारता है.
- वैसे लेटिन अमेरिका में रहने वाली इंका ट्राइब्स कोंडोर को भगवान का दर्जा देती है. वो दुनिया में जिन तीन चीजों की पूजा करती है, उसमें प्यूमा यानी पृथ्वी, स्नेक यानी पृथ्वी के अंदर का हिस्सा और कोंडोर पक्षी है. चूंकि कोंडोर बहुत ऊंचा उड़ते हैं, तो इंका लोगों को लगता है कि वो भगवान के मैसेजर हैं. उन्हें अमर माना जाता है.
- कुछ एंडीज पौराणिक कहानियां कहती हैं कि जब कोंडोर वृद्ध हो जाते हैं और उनकी ऊर्जा के साथ जीवन जीने की लालसा खत्म हो जाती है तो वो सबसे ऊंची चोटी पर चढ़कर खुद को मौत के लिए गिरा लेते हैं. कोंडोर बेशक गिद्ध प्रजाति में रखे जाते हों लेकिन उनकी अपनी 2 ही प्रजातियां हैं.

कमाल की कलात्मकता है इन गुफाओं की

गुफाओं के नाम पर लोग केवल अजंता और एलोरा के बारे में ही जानते हैं, लेकिन आपको बता दें कि इनके अलावा भी भारत में ऐसी कई खूबसूरत और कलात्मक गुफाएं हैं, जिन्हें आप एक बार जरूर देखना चाहेंगे. जानते हैं हमारे देश की इन गुफाओं के बारे में.

बादामी गुफा

चालुक्य स्थापत्य कला के प्रेमी थे और बादामी गुफाएं इसका एक उदाहरण हैं. इन गुफाओं में एक बहुत बड़ा धार्मिक महत्त्व है. एक खड्ड के मुहाने पर स्थित ये गुफाएं छठीं और 7वीं शताब्दी की बताई जाती हैं. ये कुल 4 गुफाएं हैं. इनकी खास बात है कि ये सुंदर मूर्तियों से सजी हैं. इनमें हिंदू देवताओं, महावीर और अन्य जैन तीर्थंकरों के चित्र हैं.

उंडवल्ली गुफाएं

आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में कृष्णा नदी के तट पर स्थित हैं उंडवल्ली गुफाएं. ये रॉक कट वास्तुकला का एक बेहतरीन उदाहरण है. इन गुफाओं को ठोस बलुआ पत्थर से तराशकर विष्णुकुंडिन राजाओं को समर्पित किया गया है. यहां की एक गुफा में भगवान विष्णु की एक विशाल मूर्ति है, जो एक वैराग्य मुद्रा में है. यहां ब्रम्हा, विष्णु और महेश का मंदिर भी है.

बोर्रा गुफाएं

बोर्रा गुफाएं विशाखापटनम के उत्तर में करीब 90 किमी दूर स्थित है. ये गुफाएं प्राकृतिक आश्चर्य हैं, जो लगभग हजारों साल पुरानी है. इनकी खोज वर्ष 1807 मे ब्रिटिश भूविज्ञानी विलियम किंग ने की थी. यहां प्राकृतिक रूप से निर्मित एक शिवलिंग भी है. इस कारण गुफाओं के आसपास रहने वालों द्वारा यह अत्यधिक श्रद्धेय है.

खंडगिरी

खंडगिरी ये 15 गुफाओं का एक समूह है. माना जाता है कि राजा खारवेल के शासन के दौरान इसका इस्तेमाल किया गया था. खंडगिरी में सबसे महत्वपूर्ण गुफा अनंत गुफा है. इसमें महिलाओं, एथलीटों और हाथियों को दर्शाया गया है.

मावसई गुफाएं

मावसई गुफाएं पूर्वोत्तर भारत की सबसे खूबसूरत गुफाओं में से एक है. मेघालय में आने वाले अधिकतर पर्यटक इन गुफाओं की यात्रा करने के लिए जरूर आते हैं. गुफाओं में प्राकृतिक चूना पत्थर की संरचनाएं हैं जो वर्षों पहले से बनी हैं. ये गुफाएं पूरी तरह से रोशन है और इनमें कई प्रभावशाली मार्ग और कक्ष हैं.

पर्सनैलिटी डेवलपमेंट में मदद करेंगे एप

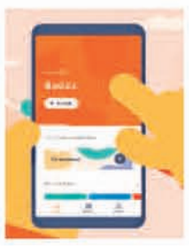

बेस्टीफाई मी

यह एप पर्सनेलिटी में निखार लाने का काम करता है. यह रिकल को बढ़ाने के लिए एक्सपर्ट से बात करने में भी मदद करता है. इस एप पर पर्सनल ग्रूमिंग टिप्स, इंस्पिरेशनल कोट्स, पर्सनल ट्रेनिंग डेवलपमेंट गाइड समेत कई ऐसे टूल मिलते हैं जो आपके अंदर सकारात्मक बदलाव लाएंगे.

सुपरबेटर

सुपरबेटर एप आपको मोटिवेट करने, पॉजिटिव सोच रखने और बॉडी को फिट रखने में भी मदद करता है. इसके अलावा यह पर्सनेलिटी को निखारने के लिए आसान टिप्स देने के साथ स्ट्रेस, डिप्रेशन व एंजाइटी से बाहर निकलने में भी मदद करता है.

- यह एप खासतौर पर उनके लिए काम का है, जो अधिक वर्कलोड से गुजर रहे हैं.
- फिर चाहे बात एग्जाम की तैयारी की हो या ऑफिस में बढ़ते काम की.
- इस पर मेंटल हेल्थ के लिए कई कोर्स भी मिलते हैं.

ऐतिहासिक विरासतों में भी अनेकता में एकता

भारत की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासतें इतनी समृद्ध हैं कि हर बार यूनेस्को की विश्व धरोहरों की अस्थाई सूची में देश के कुछ स्थल जगह बनाने में कामयाब रहते हैं. हाल ही जारी हुई सूची में इस साल भी भारत की 3 विरासतों ने जगह बनाई है.

हाल ही 3 भारतीय धरोहरों को यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की अस्थायी सूची में जोड़ा गया है. किसी भी स्मारक या स्थल को विश्व विरासत स्थल की सूची में अंतिम रूप से शामिल करने से पहले उसे एक साल के लिए अस्थायी सूची में रखना अनिवार्य है. इसमें नामांकन हो जाने के बाद इसे विश्व विरासत केंद्र को भेज दिया जाता है. अस्थायी सूची में भारत के वर्तमान में 49 स्थल शामिल हैं. अस्थाई सूची में शामिल विरासतों में से कुछ भले ही अंतिम सूची में शामिल न हो पाएं, लेकिन ये दुनिया के सामने अपना वैभव, संस्कृति और विरासत का प्रदर्शन करने में कामयाब रहती हैं. कई बार दुनिया तो क्या, देश में ही लोग इसकी जानकारी नहीं रखते. ऐसे में यह सूची उन्हें सांस्कृतिक गौरव से रूबरू करवाती है. जानते हैं, इस साल अस्थायी सूची में शामिल भारतीय विरासतों के बारे में-

लेपाक्षी मंदिर

लेपाक्षी मंदिर, जिसे श्रीवीरभद्र मंदिर भी कहा जाता है, आंध्र प्रदेश के लेपाक्षी गांव में स्थित है. इसका नाम वीरभद्र (भगवान शिव के उग्र अवतार) को समर्पित एक मुख्य मंदिर के नाम पर रखा गया है. मंदिर की दीवारों पर उत्कीर्ण शिलालेखों के आधार पर गांव को वैकल्पिक रूप से लेपाक्ष, लेपाक्षी और लेपाक्षीपुरा कहा जाता है. शब्द का शाब्दिक अर्थ चित्रित आंख है. मंदिर परिसर के विकास को इसकी स्थापत्य प्रगति के आधार पर वर्ष 1100 से 1800 तक के 3 व्यापक चरणों में वगीकृत किया जा सकता है. मंदिर कछुए के आकार की पहाड़ी पर स्थित है.

बैल (नंदी) : यह विशाल ग्रेनाइट चट्टान पर उकेरी गई मूर्ति है. यह अखंड मूर्ति अपनी तरह की अनूठी मिसाल है. एक ही पत्थर पर बनी यह नंदी की विशाल मूर्ति प्राचान कला का अनूठा प्रदर्शन है.

पेंटिंग्स : विजयनगर के राजाओं की मदद से अच्युतराय ने कला के क्षेत्र में उल्लेखनीय विकास किया. इसकी तकनीक को फ्रेस्को-सेको या प्लास्टर पर चूने के माध्यम में पेंटिंग के रूप में जाना जाता है.

कोंकण क्षेत्र के ज्योग्लिफ्स

भारत में रॉक कला देश की प्रारंभिक मानव रचनात्मकता के सबसे पुराने सबूतों मे शुमार है. यह आम तौर पर रॉक पेंटिंग या रॉक नक्काशी के रूप में पूरे देश मे पाई जाती है. कोंकण क्षेत्र (दक्षिण पश्चिमी महाराष्ट्र से दक्षिणी कर्नाटक) के लेटराइट पठारों (साडा) पर 'ज्योग्लिफ्स की रॉक कला' प्रागैतिहासिक मानव अभिव्यक्ति की सबसे उम्दा मिसाल है. जियोग्लिफ्स रॉक आर्ट है, जो चट्टानों पर बनाई जाती है. यानी डिजाइन बनाने के लिए चट्टान की सतह के हिस्से को उकेरा, निकाला या हटाया जाता है. इससे पता चलता है कि मध्यपाषाण युग से प्रारंभिक ऐतिहासिक युग तक यहां मानव का अस्तित्व किस तरह आगे बढ़ता रहा. इसके अलावा इनसे कुछ प्रकार के ऐसे जीव-जंतुओं के अस्तित्व की भी पुष्टि होती है, जो आज इस क्षेत्र में मौजूद नहीं हैं. यह जगह मौर्य, सातवाहन, शिलाहार, राष्ट्रकूट, कलचुरी, चालुक्य, विजयनगर, दक्कन सल्तनत, मुगल, पुर्तगाली, डच और बाद में अंग्रेजों की दखल की साक्षी रही. क्लस्टरों में व्यवस्थित 600 से अधिक स्थान काशेली, रुखेताली, देवाचे गोथाने, बरसू, देवी हसोल, जम्भरुन, उक्शी और कुडोपी में दक्षिणी महाराष्ट्र और गोवा में पनसायमोल में बनाए गए हैं, जो सांस्कृतिक विरासत का सबूत देते हैं.

जिंगकिएंग ज़ी : लिविंग रूट ब्रिज

मेघालय में आपको कई जगह पर ग्रामीण स्थानों पर ऐसे पुल मिलेंगे, जिन्हें आदिवासियों ने सदियों के सफर में पेड़ों की छालों और जड़ों से तैयार किया है. इन्हें स्थानीय रूप से जिंगकिएंग ज़ी के रूप में जाना जाता है. लिविंग रूट ब्रिज भारतीय प्रायद्वीपीय पठार के पूर्वी विस्तार में मेघालय के घने जंगलों के बीच ग्रामीण कनेक्टिविटी और आजीविका के लिहाज से बेहद अहम हैं. यह मनुष्य और प्रकृति के बीच गहरे सामंजस्य की मिसाल हैं. धरती के सबसे नम क्षेत्र में 75 से अधिक दूरदराज के गांवों में कनेक्टिविटी और आपदा के समय राहत इन्हीं पुलों के कारण संभव है. चट्टानों के बीच पुल और सीढ़ी मानसून के मौसम में परिवहन का भरोसेमंद साधन हैं.

तोतों की लंबी उम्र का रहस्य

तोतों की उम्र असामान्य रूप से लंबी होती है. ऐसा क्यों होता है, इस पर एक अध्ययन ने नई रोशनी डालने का काम किया है. वैज्ञानिकों को तोतों की संज्ञानात्मक क्षमता और लंबी उम्र की विशेषताओं का पहले से पता था, लेकिन दोनों के बीच कोई संबंध है, इस अध्ययन से पता लगाया जा सका है. शोधकर्ताओं ने पाया कि तुलनात्मक रूप से मस्तिष्क का बड़ा आकार उनके लंबे जीवन का कारण है.

तोते अपनी संज्ञानात्मक क्षमताओं और असामान्य रूप से लंबी उम्र के लिए ज्यादा मशहूर हैं. नए अध्ययन में उनकी लंबी उम्र के रहस्य से पर्दा उठाने का प्रयास किया गया है. शोधकर्ताओं ने पाया है कि इन दोनों का आपस में एक संबंध है. 217 तोतों की प्रजातियों पर हुए अध्ययन में पाया है कि स्कारलेट मकाऊ और सल्फर की किल्गी वाले कॉकाटू प्रजातियों के तोतों की औसत आयु सामान्य से ज्यादा लंबी होती है जो केवल विशाल पक्षियों की प्रजातियों में ही देखने को मिलती है.

मस्तिष्क का बड़ा आकार

मैक्स प्लैंक के शोधकर्ताओं ने पाया कि उनके मस्तिष्क का आकार तुलनात्मक रूप से बड़ा होना उन्हें लंबी आयु (Long lifespan) देता है. यह पहला अध्ययन है जिसमें तोतों का लंबा जीवन और दिमाग के आकार के बीच में संबंध बताया गया है. इसमें यह भी सुझाया गया है कि संज्ञानात्मक क्षमताएं बढ़ाने से तोतों को पर्यावरणीय खतरों से बचने में मदद मिलती है और इससे वे लंबा जीवन जी पाते हैं. रोचक बात यह है कि तोतों में लंबा जीवन और जटिल संज्ञानात्मकता, दोनों ही गुणों का वैज्ञानिकों को पहले से ही पता था, लेकिन जीवन की लंबाई और मस्तिष्क का तुलनात्मक आकार दोनों का एक-दूसरे पर पड़ने वाले प्रभाव का उन्हें पता नहीं था. इस अध्ययन के प्रमुख लेखक सिमोन स्मील ने बताया कि इस पड़ताल के लिए सबसे बड़ी चुनौती आंकड़ों को जमा करना था. यह जीवित तोतों के साथ तुलना करने पर ही संभव था. इसके लिए विशाल नमूनों की जरूरत थी जिससे विविधता के प्रभाव को खारिज किया जा सके.

ऑस्ट्रेलिया के कॉकाटू सबसे उम्रदराज़

अन्य लंबी आयु वाली प्रजातियों में ऑस्ट्रेलिया के सल्फर की किल्गी वाले कॉकाटू की औसत उम्र 25 साल है. स्मील ने बताया कि 30 साल की औसत उम्र इस आकार के पक्षियों में बहुत कम पाई जाती है. कुछ तोतों की उम्र तो 80 साल से भी ज्यादा पाई गई है जो इंसानों के लिए भी बहुत अच्छी उम्र है. इंसानों का वजन तोतों के वजन से सौ गुना ज्यादा होता है, इस लिहाज से यह संख्याएं बहुत बढ़िया हैं. तोतों की संज्ञानात्मकता ही तोतों की लंबी उम्र का कारण है. उनके शरीर की तुलना में उनके मस्तिष्क का बड़ा होना उनकी बुद्धिमत्ता को दर्शाता है. शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि खुराक या विकास के लिए ज्यादा समय का लंबी उम्र से कोई सरोकार नहीं है. अब शोधकर्ता तोतों के सीखने की सामाजिक और सांस्कृतिक क्षमताओं का लंबी उम्र से संबंध के बारे में अध्ययन करेंगे.

एयरलाइंस में केबिन क्रू में महिलाएँ होती हैं ज़्यादा

दुनियाभर में विमान सेवाओं में केबिन क्रू के काम के लिए महिलाओं को ही ज्यादा प्राथमिकता दी जाती है. पुरुषों को इस काम के लिए कम रखते हैं. इसलिए इस काम में महिलाओं और पुरुषों का अनुपात हैरान करने वाला है जो महिलाओं के पक्ष में 2/10 से 4/10 का होता है. आखिर वो क्या बातें हैं कि फ्लाइट्स में महिलाओं की संख्या ही ज्यादा होती है.

ज्यादा सलीकेदार

आमतौर पर एयरलाइंस में ग्राउंड स्टाफ, RAMP सर्विस, कस्टमर सर्विस में पुरुषों की अधिकता होती है. ये काम शारीरिक तौर पर ज्यादा थकाने वाले भी होते हैं. वहीं केबिन क्रू के काम अलग तरह के होते हैं. एयरलाइंस आमतौर पर मानती हैं कि फ्लाइट अटेंडेंट का काम महिलाएं ज्यादा बेहतर तरीके से करती हैं. उनमें ज्यादा सलीका भी होता है. पहली और सबसे बड़ी वजह ये मानी गई कि हवा में यात्रा के दौरान यात्रियों के साथ प्रबंधन और हास्पिटैलिटी में महिलाएं ज्यादा बेहतर होती हैं. वो अगर पुरुष यात्रियों के साथ भी बेहतर तरीके से काम करने में सक्षम होती हैं तो महिलाएं और बच्चे भी उन्हें पसंद करते हैं. आपात स्थितियों में भी वो अच्छी तरह हालात का सामना कर पाती हैं.

डील करने में माहिर

एयरलाइंस सेक्टर मानता है कि महिला केबिन क्रू स्टाफ यात्रियों के साथ अपनत्व का प्रदर्शन ज्यादा बेहतर तरीके से कर पाता है. वो यात्रियों की बातों को अच्छी तरह सुनती हैं और अपने काम के लिए बेहतर तरीके से दक्ष भी होती हैं. एयरलाइंस सेक्टर में आमतौर पर ज्यादा संख्या पुरुष यात्रियों की ही होती है. उसमें हर तरह के व्यवहार वाले पुरुष होते हैं. लेकिन ज्यादातर पुरुष यात्री महिला एयरहोस्टेस की बात ज्यादा अच्छी तरह सुनते और मानते हैं. खिन्न पुरुष यात्रियों को भी वो डील कर लेती हैं.

एक नज़र

राज्यपाल को कुलाधिपति पद से हटाने की योजना

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम। केरल की माकपा नीत सरकार ने मंत्रिमंडल के फैसले के बाद राज्यपाल को विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के पद से हटाने के लिए अपना अध्यादेश मंजूरी के लिए शनिवार को राजभवन भेज दिया। राजभवन के सूत्रों ने इसकी पुष्टि की कि राज्यपाल को विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के पद से हटाने और प्रमुख शिक्षाविदों को इस पद पर नियुक्त करने संबंधी अध्यादेश राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान की मंजूरी के लिए राजभवन को प्राप्त हुआ है। सूत्रों ने कहा कि इस बात की संभावना नहीं है कि खान जल्द ही अध्यादेश पर कोई फैसला लेंगे, क्योंकि इस मुद्दे पर उनके और राज्य सरकार के बीच विवाद अभी खत्म नहीं हुआ है। सरकार ने बुधवार को इस संबंध में अध्यादेश लाने का फैसला किया था, जिसका कांग्रेस और भाजपा दोनों ने विरोध किया था। विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि मंत्रिमंडल के फैसले का उद्देश्य केरल में विश्वविद्यालयों को 'कम्युनिस्ट केंद्रों' में बदलना है। इस बीच, मंत्री पी राजीव और वी शिवनकुट्टी ने उम्मीद जताई कि राज्यपाल बिना किसी देरी के अध्यादेश को मंजूरी देंगे।

आतंकवाद पर विश्व सम्मेलन 18 व 19 को

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि वह यहां 18-19 नवंबर को आतंकवाद के लिए कोई पैसा नहीं विषयक तीसरा मंत्रिस्तरीय सम्मेलन आयोजित कर रहा है जिसमें 75 देशों एवं अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि दो दिनों तक परिचर्चा में हिस्सा लेंगे। मंत्रालय के बयान के अनुसार सम्मेलन की मेजबानी अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के मुद्दे, इस बुराई को बिल्कुल नहीं बर्दाश्त नहीं करने की उसकी नीति, अंतरराष्ट्रीय समुदाय में इस मुद्देपर चर्चा कराने को मोदी सरकार द्वारा दी जा रही अहमियत को दर्शाती है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह इस सम्मेलन में शिरकत करेंगे तथा आतंकवाद के विरूद्ध लड़ाई में सफलता हासिल करने के लिए आतंकवाद एवं उसके सहयोग तंत्र के खिलाफ संघर्ष में भारत का संकल्प सामने रखेंगे।

पूर्वी लद्दाख में हालात पर थलसेना प्रमुख बोले... स्थिति स्थिर, लेकिन अप्रत्याशित

एजेंसी

नई दिल्ली। थलसेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने चीन से लगे क्षेत्र में सीमा गतिरोध लंबे समय से जारी रहने के बीच शनिवार को कहा कि पूर्वी लद्दाख में स्थिति स्थिर, लेकिन अप्रत्याशित है। जनरल पांडे ने एक विचार समूह (थिंक टैंक) चाणक्या डायलॉग्स को संबोधित करते हुए कहा कि भारत शेष मुद्दों के समाधान के लिए चीन के साथ उच्च स्तर की सैन्य वार्ता के अगले दौर को लेकर आशावादी है।हम 17वें दौर की वार्ता की तारीख पर विचार कर रहे हैं। सीमावर्ती इलाकों में चीन के बुनियादी ढांचा विकसित करने के विषय पर थलसेना प्रमुख ने कहा कि यह लगातार हो रहा है।

क्षेत्र में भारतीय थलसेना की तैयारियों के बारे में उन्होंने कहा, सर्दियों के मौसम के अनुकूल तैयारी जारी है जनरल पांडे ने यह भी कहा कि अपने हितों की सुरक्षा के लिए वास्तविक नियंत्रण रेखा पर हमारे कार्यों को बहुत सावधानीपूर्वक समायोजित करने की जरूरत है।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश: पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गाँधी की हत्या के मामले में अहम फैसला

राजीव गाँधी के 6 हत्यारे सलाखों से बाहर

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गाँधी की हत्या के मामले में उम्रकैद भुगत रहे छह आरोपियों को रिहा करने का निर्देश दिया है। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि दोषियों के जेल में अच्छे आचरण के कारण रिहाई का आदेश दिया जा रहा है। इससे पहले मई में कोर्ट ने इस मामले के एक दोषी पेरारिवलन को भी रिहा करने के आदेश दिए थे। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को बड़ा फैसला सुनाते हुए देश के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गाँधी की हत्या करने के सभी 6 दोषियों को रिहा करने के आदेश दिए। इन दोषियों में नलिनी और आरपी रविचंद्रन भी शामिल हैं, जिन्होंने राजीव गाँधी की हत्या साजिश रची थी।

गौरतलब है कि 21 मई 1991 को तमिलनाडु में एक चुनावी रैली के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गाँधी पर आत्मघाती हमला किया गया था।

अच्छा आचरण बताया कारण

राजीव गांधी की हत्या के सभी 6 दोषियों के बारे में फैसला सुनाते हुए शीर्ष अदालत ने टिप्पणी की कि जेल में बंद दोषियों नलिनी श्रीहरन, जयकुमार, आरपी रविचंद्रन, रॉबर्ट पायस, संथन और श्रीहरन उर्फ मुरुगन को अच्छे आचरण के चलते जेल से रिहा किया जाता है। जेल में उनका आचरण अच्छा पाया गया और उन सभी ने जेल में रहने के दौरान विभिन्न डिग्री हासिल की थी।

मान लिया जाए दोषियों ने काट ली सजा

न्यायाधीश बी.आर. गवई और न्यायाधीश बी. वी. नागरत्ना की पीठ ने कहा, "जहां तक हमारे समक्ष आए आवेदकों का संबंध है, तो उनकी फांसी की सजा को देरी के कारण उम्रकैद में बदल दिया गया था। हम निर्देश देते हैं कि यह मान लिया जाए कि सभी अपीलकर्ताओं ने अपनी सजा काट ली है। इस प्रकार आवेदकों को रिहा करने का निर्देश दिया जाता है, जब तक कि किसी अन्य मामले में जरूरत नहीं है।"

आदेश से देशवासियों को लगा आघात: गहलोत

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी हत्याकांड के दोषियों को रिहा करने के उच्चतम न्यायालय के फैसले से देशवासियों को आघात लगा है। गहलोत ने सोशल मीडिया पर लिखा कि देश की एकता एवं भारतीय उपमहाद्वीप में शांति स्थापित करने के लिए शहादत देने वाले राजीव गांधी के हत्यारों को रिहा करने का आदेश जनभावना के अनुरूप नहीं है। शीर्ष न्यायालय को इस फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए।

हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव

बर्फ भी रोक नहीं सकी राह, खूब हुआ मतदान

शिमला। हिमाचल प्रदेश में शनिवार को करीबी 66 प्रतिशत वोट पड़े हैं। राजधानी शिमला से लेकर प्रदेश के ऊंचाई वाले बर्फ से ढके स्पीति तक, लोगों ने सर्दी के बावजूद नई सरकार को चुनने के लिए मतदान किया। चुनाव में मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर समेत कई दिग्गज नेताओं की प्रतिष्ठा दांव पर है।इस चुनाव में भाजपा लगातार दूसरी बार सरकार न बना पाने के प्रदेश के रिवाज को तोड़ने की कोशिश में है जबकि कांग्रेस ने भी चुनाव में जीत हासिल करने के लिए पूरी ताकत लगा दी है। मतदान सुबह आठ बजे शुरू हुआ। धीरे-धीरे मतदान ने गति पकड़ी। निर्वाचन आयोग ने मतदान के शाम पांच बजे तक के अस्थायी आंकड़ों के हवाले से जानकारी दी कि 65.92 प्रतिशत लोगों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया।

दिग्गजों ने किया मतदान

मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने मंडी में एक स्थानीय मांदेर में पूजा करने के बाद अपनी पत्नी और बेटियों के साथ मतदान किया। प्रदेश कांग्रेस प्रमुख प्रतिभा सिंह और उनके बेटे विक्रमादित्य सिंह ने रामपुर में मतदान किया। इससे पहले उन्होंने शिमला के शनि मंदिर में पूजा की।पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल, उनके बेटे एवं केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ हमीरपुर में मतदान किया। पूर्व केंद्रीय मंत्री आनंद शर्मा ने शिमला में मतदान किया, जबकि भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने बिलासपुर में परिवार के सदस्यों के साथ मतदान किया।

शतायु भी पहुंचे मतदान के लिए

प्रदेश में शनिवार को सौ वर्ष या उससे अधिक आयु के बुजुर्ग मतदान के उत्साह में तापमान में गिरावट और बढ़ती आयु के बावजूद कमी नजर नहीं आई । चांबा के चुराह में 105 वर्षीय नारो देवी तथा शिमला में 103 वर्षीय सरदार प्यार सिंह जैसे कई शतायु लोग वोट डालने पहुंचे। इसके अलावा बड़ी संख्या में 80 वर्ष या अधिक आयुं के बुजुर्ग भी मतदान को पहुंचे। राज्य में 80 वर्ष से अधिक उम्र के 1.21 लाख से अधिक मतदाता हैं जिनमें 1136 की उम्र सौ या उससे अधिक वर्ष है। मतदान केंद्रों पर बुजुर्गों एवं विकलांगों के लिए विशेष व्यवस्था की थी।

भरमौर। हिमाचल प्रदेश के भरमौर में रास्ते में जमी बर्फ से होकर पास में स्थित एक मतदान केंद्र पर मतदान करने जाते हुए लोग।

सबसे ऊंचा बूथ...शत प्रतिशत वोटिंग

विश्व के सबसे ऊंचे मतदान केंद्र टशीगंग पर सौ प्रतिशत मतदान का रिकार्ड कायम रहा। माइनस डिग्री तापमान में मतदान प्रक्रिया पूरी हुई। टशीगंग मतदान केंद्र समुद्र तल से 15,256 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। यहां लगातार तीसरी बार सौ प्रतिशत मतदान रिकार्ड किया गया। यहां 52 मतदाताओं ने वोट डाला।

सिरमौर मतदान में भी सिरमौर

सबसे ज्यादा 72.35 प्रतिशत वोट सिरमौर जिले में पड़े हैं। इसके बाद सोलन में 68.48 प्रतिशत, ऊना में 67.67 प्रतिशत तथा लाहौल स्पीति में 67.5 प्रतिशत मतदान हुआ है। आयोग के अनुसार, शिलाई में सबसे अधिक 77 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि सरकाघाट में सबसे कम 55.40 प्रतिशत वोट पड़े हैं। प्रदेश में विधानसभा की 68 सीटें हैं।

भारत दुनिया की उम्मीदों का केन्द्र बिन्दु बन गया है: प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी

विशाखापत्तनम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत दुनिया की उम्मीदों का केन्द्र बिन्दु बन गया है क्योंकि हम विकास की नयी गाथा लिख रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, जब कई देश संघर्ष कर रहे हैं, दुनिया बहुत उत्सुकता से हमारी ओर देख रही है। कुछ देश आवश्यक वस्तुओं की कमी का, तो कुछ देश ऊर्जा संकट का सामना कर रहे हैं। लगभग हर देश अपनी अस्थिर अर्थव्यवस्था को लेकर चिंतित है। पीएम मोदी आंध्र विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग कॉलेज मैदान से बुनियादी ढांचा विकास की विभिन्न योजनाओं की शुरुआत करने के बाद एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में निराशा के माहौल के बीच भारत प्रत्येक क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

15,233 करोड़ रुपए की परियोजनाओं की सौगात

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डिजिटल माध्यम से 15,233 करोड़ रुपए की नौ परियोजनाओं की शुरुआत की। उन्होंने ओएनजीसी की 2,917 करोड़ रुपए की 'यू-फील्ड ऑनशोर डीपवाटर ब्लॉक' परियोजना राष्ट्र को समर्पित की। यह लगभग 30 लाख मीट्रिक मानक घन मीटर प्रति दिन की उत्पादन क्षमता वाली सबसे गहरी गैस खोज परियोजना है।

परिवारवादी राजनीति को लेकर टीआरएस पर निशाना साधा

हैदराबाद। पीएम मोदी ने तेलंगाना में सत्तारूढ़ टीआरएस पर 'परिवारवादी राजनीति' को लेकर निशाना साधा और कहा कि राज्य को एक ऐसी सरकार की जरूरत है जो सभी परिवारों के वास्ते काम करे, न कि केवल एक परिवार के लिए। राज्य के दौरे पर आने के तुरंत बाद यहां बेगमपेट हवाई अड्डे पर एक सभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, तेलंगाना के नाम पर जो लोग फले-फूले, आगे बढ़े, सत्ता पाई, वे खुद तो आगे बढ़ गए, लेकिन तेलंगाना को पीछे धकेल दिया। तेलंगाना का जो सामर्थ्य है, तेलंगाना के लोगों की जो प्रतिभा है, उसके साथ यहां की सरकार, यहां के नेता लगातार नाइंसाफी करते रहते हैं।

गुजरात विस चुनाव: मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने जारी कीं दो सूची

21 विधायकों को टिकट, नहीं काटा किसी MLA का नाम

एजेंसी

अहमदाबाद। गुजरात में दो दशक से अधिक समय से सत्ता से बाहर चल रही कांग्रेस ने अपने मौजूदा 21 विधायकों को अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव में एक बार फिर मौका दिया है। कांग्रेस ने गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए गुरुवार को 46 उम्मीदवारों की अपनी दूसरी सूची जारी की थी, जिनमें चार मुस्लिम उम्मीदवार भी शामिल हैं। इसके बाद शुक्रवार शाम एक औ सूची जारी की जिसमें सात प्रत्याशियों के नाम हैं।

दूसरी सूची में शामिल उम्मीदवार उन सीटों के लिए हैं जहां प्रथम चरण में मतदान होगा। कांग्रेस ने अब तक 96 सीट के लिए उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं।

182 सदस्यीय राज्य विधानसभा की 89 सीट के लिए एक दिसंबर को पहले चरण में और अन्य 93 सीटे के लिए पांच दिसंबर को मतदान होगा।

इन सीटों पर मुस्लिम प्रत्याशी

कांग्रेस की नई सूची में चार मुस्लिम उम्मीदवार हैं, जिनमें वांकाने सीट से मौजूदा विधायक मोहम्मद जावेद पीरजादा भी शामिल हैं। ममदभाई जंग जाट को अब्सदा सीट, सुलेनन पटेल को वागरा और असलम साइकिलवाला को सूरत पूर्व से टिकट दिया गया है।प्रथम चरण की 89 सीट में भाजपा ने 84 सीट पर उम्मीदवारों की घोषणा की है।

इन दिग्गजों को मिला टिकट

पार्टी ने जिन प्रमुख नेताओं को टिकट दिया है उनमें पूर्व नेता प्रतिपक्ष परेश धानाणी, प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष ललित कगथरा शामिल हैं। वहीं, दसदा, चोटिला, ढोराजी, कलावाड (अनुसूचित जाति), खंभालिया, जामजोधपुर, जूनागढ़, मांगरोल, सोमनाथ, लाथी, सावरकुंडला, राजुला, तलजा, मांडवी (अनुसूचित जनजाति), व्यारा (अनुसूचित जनजाति), निझर (अनुसूचित जनजाति), वंसदा (अनुसूचित जनजाति) के मौजूदा विधायकों को भी टिकट दिया गया है।

अहमदाबाद। गुजरात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जगदीश ठाकोर व राकांपा प्रदेश अध्यक्ष जयंत पटेल बोस्की शुक्रवार को अहमदाबाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुए।

तीन सीट पर लड़ेगी शरद पवार की पार्टी

अहमदाबाद। अगले महीने होने जा रहे गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने चुनाव पूर्व गठबंधन का ऐलान किया है जिसके तहत शरद पवार की पार्टी राज्य की 182 में से तीन सीट पर चुनाव लड़ेगी। दोनों दलों के नेताओं ने शुक्रवार को यहां गठबंधन का ऐलान किया। राकांपा के कंधाल जडेजा अपनी पार्टी के इकलौते विधायक थे जिन्होंने 2017 के विधानसभा चुनाव में पोरबंदर जिले के कुटियाना विधानसभा क्षेत्र से जीत दर्ज की थी। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जगदीश ठाकोर ने कहा,राकांपा कांग्रेस के साथ गठबंधन करके आनंद जिले की उमरेठ, अहमदाबाद जिले की नरोदा और दाहोद जिले की देवगढ़ बरिया सीट से चुनाव लड़ेगी। इन तीन सीट पर फिलहाल भाजपा का कब्जा है। ठाकोर ने गुजरात चुनाव में 125 सीट पर जीत के साथ सबसे पुरानी पार्टी की सत्ता में वापसी के प्रति भरोसा जताते हुए कहा, कांग्रेस ने उन दलों के साथ समझौता करने का निर्णय लिया है जो संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन -एक और दो में राष्ट्रीय स्तर पर हमारे साथ थे। राकांपा के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पटेल बोस्की ने कहा कि राकांपा गुजरात विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का समर्थन करेगी।

एक नज़र

एसएमएस स्टेडियम में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत 15 नवंबर को करेंगे शुभारंभ

हिलव्यू समाचार

जयपुर। प्रदेश के सरकारी स्कूलों के कक्षा 1 से आठ तक के 67 लाख बच्चों को निःशुल्क यूनिफॉर्म और बाल गोपाल दूध योजना का शुभारम्भ मुख्यमंत्री अशोक गहलोत 15 नवंबर को करेंगे।

इसको लेकर एसएमएस स्टेडियम में स्कूल में शिक्षा परिषद की ओर से तैयारी शुरू कर दी है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत तीन-तीन छात्र-छात्राओं को दूध पिलाकर और यूनिफॉर्म देकर योजना का शुभारम्भ करेंगे। दूध योजना में कक्षा 1 से 5 तक के बच्चों को 150 मिली लीटर तथा कक्षा 6 से 8 तक के बच्चों को 200 मिली लीटर मिल्क पावडर से बने दूध का वितरण प्रार्थना सभा के बाद किया जाएगा। अवकाश होने पर अगले दिन दूध दिया जाएगा।

वहीं, कक्षा 1 से कक्षा 8 तक के 64479 सरकारी स्कूलों के 70 लाख से अधिक बच्चों को राज्य सरकार की ओर से निःशुल्क स्कूल यूनिफॉर्म फैब्रिक के दो सेट उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके साथ ही यूनिफॉर्म सिलवाने के लिए केवल प्रत्येक स्टूडेंट के खाते में 200 रुपए का भुगतान किया जाएगा।

ई-पासवर्ड से पता होगी दवाओं की उपलब्धता

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ हर व्यक्ति को मिले, इसके लिए सभी लोगों का पंजीयन होगा। साथ ही ई-औषधि सॉफ्टवेयर के माध्यम से रियल टाइम बेसिस पर दवाइयों की उपलब्धता के बारे में जिला स्तर पर प्रशासनिक अधिकारियों को जागरूक रहना होगा। इसके लिए संबंधित अधिकारी को पासवर्ड उपलब्ध कराए जाएंगे। जिला प्रभारी सचिव सुधांश पंत ने यह बात फ्लैगशिप योजनाओं की समीक्षा करते हुए कही। उन्होंने कहा कि जब भी कोई अधिकारी निरीक्षण करने के लिए जाए तो वह स्वयं के विभाग की योजनाओं के साथ-साथ अन्य विभाग की योजनाओं का भी निरीक्षण करें। फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति के बारे में कहा कि जन कल्याणकारी योजनाओं का जनता तक लाभ पहुंचाने के लिए अधिकारियों को मिशन मोड पर कार्य करना होगा। शुद्ध के लिए युद्ध अभियान की कार्यवाई पर अधिकारी ने बताया कि अक्टूबर में विशेष अभियान चलाया गया। संबंधित अधिकारी को मिलावटखोरों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुये सैम्पल की संख्या बढ़ाने के लिए कहा। साथ ही चयनित ग्रामीण एवं शहरी स्वास्थ्य मित्रों को विभाग के परिचय पत्र जारी करने के लिए कहा, जिससे वे क्षेत्र में जाकर लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक कर सकें।

प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश

प्रभारी सचिव ने पालनहार योजना के तहत निर्धारित श्रेणी के अलावा विशेष श्रेणी में प्राप्त प्रकरणों को निस्तारण करवाने के निर्देश दिए। जिला प्रभारी सचिव ने इन्दिरा रसोई योजना के तहत संचालित रसोईयों का नियमित रूप से निरीक्षण एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिए। मनरेगा के तहत 100 दिन का रोजगार पूरे करने वाले परिवारों को 25 दिन का अतिरिक्त रोजगार दिये जाने के लिए निर्देश दिए।

कांग्रेस मिशन : भारत जोड़ो या भांडा फोड़ो?

एक तरफ़ राहुल गाँधी कर रहे हैं "भारत जोड़ो यात्रा"
राजस्थान में उनके विधायक कर रहे हैं "आपस में भांडा फोड़ो भ्राता"?

विनाशकाले विपरित बुद्धि

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर। कांग्रेस का यह वह दौर है जब यह भारत से सिमटने की कगार पर खड़ी है। ऐसे में राजस्थान की सियासी हलचल हर दिन बिगड़े चेहरे के साथ इसे उस खाई की ओर और ज्यादा धकेल रही है।

गहलोत सरकार के विधायक,मंत्री यहाँ तक कि कर्मठ कार्यकर्ता भी गहलोत सरकार की कई रीति-नीतियों से असंतुष्ट हैं। कोई अपनी सेवाओं के बदले सम्मानित पद न मिलने के कारण बौखलाहट में है तो कोई सत्ता में उच्च पद पर होते हुए शक्ति न मिलने की कड़वाहट में भुनभुना रहा है। किसी को खाने को नहीं मिल रहा किसी का पेट फटने को है।

आये दिन कांग्रेस के मंत्री, विधायक, कार्यकर्ता अपनी ही सरकार के समक्ष शिकायतें परोस रहे हैं तो ऐसे में आम जनता का नम्बर तो कहाँ से लगेगा शिक़ायत के घेरे में जाकर अपनी शिक़ायत दर्ज करने का।

सियासी संकट नहीं है ये प्यासी कंटक है जो कांग्रेस पार्टी के गले में अटक गई है और कहीं ये कंटक उसके प्राण न ले ले।

राजस्थान के आलाकमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपना अशोक चक्र लेकर गुजरात की गलियों में गुज़र-बसर कर रहे हैं।वे राजस्थान की जनता के बीच आये न आये लेकिन धड़ाधड़ी से लगातार सौगातों के अंबार उछाल रहे हैं जैसे निक़ाह के वक़्त काजू,बादाम और अखरोट लुटाए

जाते हैं। पेंशन बहाल का मामला हो या स्थायिकरण का, हर वर्ग को इस वक़्त ख़ुश करने का प्रण लिए गहलोत अकेले कांग्रेस की कमान राजस्थान में संभाले हुए हैं और उनकी टीम आपस में टकरा-टकरा कर अपना ही सर फोड़ रही है।

मगर गहलोत की यह रेवड़ी बाँटने वाली नीति शायद इस बार काम नहीं करेगी क्योंकि जनता सब जानती है और माहौल तो स्वयं इनके खेमे के मंत्री,विधायक और कार्यकर्ता व लोग बढ़-चढ़कर बना ही रहे हैं जैसे--

- मंत्री अशोक चांदना ने सचिन पायलट को खुली चुनौती में कहा - 'जिस दिन मैं लड़ने पर आ गया तो एक ही बचेगा',
- स्वयं अशोक गहलोत सार्वजनिक मंचों में सचिन पायलेट के विरुद्ध प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष बयान देते नज़र आते हैं।
- आरटीडीसी के चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ सचिन पायलेट को गद्दार कहते हैं।
- सचिन पायलट गुट के विधायक वेद प्रकाश सोलंकी ने आरटीडीसी के चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ को सचिन पायलट को गद्दार कहे जाने का जवाब देते हुए कहते हैं कि 'कौन धर्मेंद्र? धर्मेंद्र राठौड़ तो रजिस्टर्ड दलाल है सब जानते हैं कि किस तरह से वो कांग्रेस और बीजेपी दोनों जगह दलाली करते हैं'किसी से छिपा नहीं है।
- सैनिक कल्याण मंत्री राजेंद्र गुढ़ा कांग्रेस के यूडीएच सहित कई विभागों के 4000 करोड़ के घपलों को लगातार उजागर करते हुए बयान देते नज़र आते हैं।
- यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल

बलात्कार जैसे संवेदनशील मुद्दे पर हास्य के साथ कहते हैं कि राजस्थान मर्दों का प्रदेश है?

- सैनिक कल्याण मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने शुक्रवार को कहा कि वह कांग्रेस के कल्चर के नहीं है। मंत्री शांति धारीवाल का एलाइनमेंट गड़बड़ है।
- खाद्य मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास सहित विधायक दिव्या मदेरणा मुख्यमंत्री को एससीआर भरने की पावर न देने पर शिक़ायत करती नज़र आती है।
- एसीआर भरने के मुद्दे पर ही गहलोत के खास मंत्री आपस में उलझ जाते हैं एक तरफ़ भूजल मंत्री महेश जोशी कहते हैं एसीआर भरने का मुझे तो अधिकार मिला हुआ है प्रताप सिंह खाचरियावास पलटवार करते हैं कि महेश जोशी झूठे हैं, उन्होंने सरकार की गुलामी करने का ठेका लिया हुआ है।
- विधायक दिव्या मदेरणा ने महेश जोशी पर कटाक्ष किया कि वो एसीआर तो नहीं लिख रहे हैं, लेकिन अनुशासनहीनता की गौरवगाथा जरूर लिख रहे हैं।
- विधायक वेद प्रकाश सोलंकी ने तो यहाँ तक कह दिया कि उनकी निष्ठा सचिन पायलट के प्रति है, पार्टी के प्रति नहीं। यही बयान इंद्राज गुर्जर का भी रहा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के दौरान विधायकों का बाग़ी हो जाना कांग्रेस की कमज़ोरी को उज़ागर कर गया। लगातार राजस्थान कांग्रेस में आपस में ज्वार-भाटे जनम ले रहे हैं और इसका सारा असर कांग्रेस के विरुद्ध एक माहौल बना रहा है। जनता सब देख सुन रही है ये डिजिटल दौर है किसी से कुछ छिपा नहीं। कांग्रेस के ख़ास विधायक और मंत्रियों को क्या सूरदास सूंघ गए हैं कि सभी जिस डाल पर बैठे हैं उसे ही काट रहे हैं कहीं ऐसा न हो कि कांग्रेस के इन सभी बाग़ी और बड़बोले विधायकों की कारस्तानी से कांग्रेस सरकार आगामी चुनाव में धड़ाम से ज़मीन पर न आ गिरे।

कांग्रेस हाईकमान ने राजस्थान का फैसला लिख दिया अब सुनाना है बाकी : आचार्य प्रमोद कृष्णम

हिलव्यू समाचार

जयपुर। प्रियंका गांधी के करीबी कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने प्रदेश में शीघ्र सीएम बदलने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हाईकमान शीघ्र फैसला करने वाला है। फैसला लिखा जा चुका है, सिर्फ सुनाना बाकी है। यह फैसला प्रदेश की जनता की भावनाओं के हिसाब से होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का हर विधायक हाईकमान के फैसले के साथ खड़ा है।

जयपुर में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी से मिलने आए आचार्य प्रमोद कृष्णम पत्रकारों से बातचीत करते हुएने कहा कि मैं तो डॉ. जोशी के यहां गुड़ की चाय पीने आया हूं और अनौपचारिक कुछ बातें हुई है। उन्होंने कहा कियहां जो कुछ हुआ वह अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की मौजूदगी में हुआ। जब वे और प्रभारी अजय माकन यहां पर्यवेक्षक आए थे।

यहां पर जो कुछ हुआ। उसमें किसी को कुछ कहने की जरूरत नहीं है। कांग्रेस नेतृत्व को सब कुछ पता है। कांग्रेस नेतृत्व जो भी फैसला लेगा वह सब परिस्थितियों को ध्यान में रखकर लेगा ।

सीएम गहलोत समर्थक विधायकों के इस्तीफे पर कहा कि किस विधायक ने इस्तीफा दिया है। यह तो विधानसभा अध्यक्ष डॉ. जोशी ही बता सकते हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष डॉ. जोशी मानते हैं कि कांग्रेस लीडरशिप का फैसला पार्टी का हर विधायक मानेगा। राजनीतिक विवाद के जिम्मेदार तीन नेताओं को नोटिस के बाद अब कार्रवाई के सवाल पर कहा कि जिन्हें कार्रवाई करनी है वे जाने। इतना तय है कि प्रदेश को बहुत जल्द अच्छा सवेरा देखने को मिलेगा।

कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णमने कहा कि राहुल गांधी की यात्रा के अच्छे परिणाम आने वाले हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का फैसला होगा, वह राजस्थान की जनता की भावनाओं का सम्मान करने वाला होगा।

सौम्या गुर्जर ने तीसरी बार किया मेयर का पदभार ग्रहण

हिलव्यू समाचार

जयपुर। नगर निगम ग्रेटर महापौर की कुर्सी पर घमासान कम होने के बजाय बढ़ता जा रहा है। सौम्या गुर्जर को हाईकोर्ट से राहत मिलने के बाद शनिवार को पदभार संभालते ही राज्य सरकार का नोटिस मिल गया। महापौर सौम्या ने नोटिस पर अपनी रिसीविंग भी दी। इसका जवाब 18 नवंबर तक सौम्या को देना होगा। उसके बाद राज्य सरकार तर्क-वितर्क के आधार पर आदेश जारी करेगी। ऐसे में सौम्या के बर्खास्तगी की तलवार अभी भी सौम्या पर लटकी हुई है।

सौम्या ने यह संघर्ष की जीत बताते हुए पदभार ग्रहण करते हुए कहा कि ग्रहण करते हुए सौम्या गुर्जर ने कहा कि उन षड्यंत्रकारियों को मेरा जवाब है, जिन्होंने षड़यंत्र रचकर अलोकतांत्रिक तरीके से मुझे पद से हटाया। न्यायिक जांच की सत्यापित प्रतिलिपि लेने के लिए एक महीने तक डीएलबी के चक्कर काटे। जनता और भगवान के आशीर्वाद से षड्यंत्रकारी हारे हैं। अभी भी हार नहीं मानी है, मेरा संघर्ष जारी रहेगा। मैंने जो जनता से वादा किया उस पर खरी हूं। सौम्या गुर्जर ने दो वर्ष के कार्यकाल में तीसरी बार पदभार ग्रहण किया है।

सौम्या के पास जवाब देने के लिए 6 दिन का समय

राज्य सरकार की ओर से हाईकोर्ट के आदेश पर डॉक्टर सौम्या गुर्जर को कुर्सी संभालने के साथ पक्ष रखने के लिए नोटिस भी तामिल करवाया गया। पुलिस जवान ने नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय पहुंचकर सौम्या गुर्जर को नोटिस तामिल करवाते हुए रिसीविंग ली। आदेश तामील कराने के बाद यह चर्चा शुरू हो गई कि शहर की सरकार की चाबी आखिर कितने दिन रहेगी। सौम्या के जवाब देने के बाद राज्य सरकार उसको तर्क-वितर्क के आधार पर युक्तियुक्त आदेश जारी कर सकती हैं। यानी सौम्या पर बर्खास्तगी की तलवार अब भी लटक रही है।

'इंडिया स्टोनमार्ट 2022' के उद्घाटन पर बोले गहलोत

'पत्थर उद्योग का रोजगार सृजन में अहम योगदान'

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार अवैध खनन की समस्या के प्रति गंभीर है और निरंतर अभियान चलाकर इस पर पूरी तरह रोक लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि खनन और पर्यावरण विभाग को मिलकर एक ऐसी व्यवस्था विकसित करनी चाहिए जिससे खनन कार्य में आ रही परेशानियां तुरंत दूर हों। साथ ही नवीन प्रस्तावों को भी समयबद्ध रूप से स्वीकृति मिल सके। इंडिया स्टोन मार्ट-2022 के 11वें संस्करण का गुरुवार को उद्घाटन करते हुए सीएम ने कहा कि राजस्थान में पत्थर व्यवसाय का एक लंबा इतिहास रहा है। देश-विदेश तक यहां के पत्थर को एक विशेष पहचान मिली है। राज्य सरकार निरंतर ऐसे फैसले ले रही है, जिससे खनन और उद्योग क्षेत्र को प्रोत्साहन मिलने के साथ ही रोजगार और राजस्व में भी बढ़ोतरी हो रही है।

ब्लॉक स्तर पर औद्योगिक क्षेत्र

सीएम गहलोत ने कहा कि रीको द्वारा ब्लॉक स्तर पर औद्योगिक क्षेत्र स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। राज्य सरकार की प्रभावशाली औद्योगिक नीतियों के कारण 'ईज ऑफ डूईंग बिजनेस' में सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि सीआईएसएफ की तर्ज पर प्रदेश में राजस्थान इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स का गठन होगा। पर्यटन को बढ़ावा देने की दृष्टि से भी राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश सरकार द्वारा पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिया गया है।

इन्वेस्ट राजस्थान से अच्छा माहौल

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन्वेस्ट राजस्थान समिट से प्रदेश में निवेश के प्रति अच्छा माहौल बना है। विभिन्न कंपनियों द्वारा यहां नई इकाइयां स्थापित की जा रही हैं। राज्य सरकार खनन में आ रही परेशानियों को दूर करने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि आवश्यक सुविधाएं, उपयुक्त माहौल, सुदृढ़ कानून व्यवस्था आदि निवेशकों को राजस्थान की ओर आकर्षित कर रही है। गहलोत ने कहा कि इन्वेस्ट राजस्थान समिट से प्रदेश में निवेश का एक आदर्श वातावरण बना है। इस समिट में पत्थर उद्योग से जुड़े लगभग 800 करोड़ रुपए के एमओयू साइन हुए हैं। राज्य में खनिज भंडारों के साथ इंफ्रास्ट्रक्चर, कुशल मानव संसाधन और प्रभावशाली नीतियां लागू करने से बड़े स्तर पर निवेश की संभावनाएं बढ़ी हैं। मुख्यमंत्री ने बताया एमएसएमई एक्ट के बाद अब तक 15000 एमएसएमई इकाइयां रजिस्टर्ड हुई हैं। इनमें से 6000 इकाइयां स्थापित हो चुकी हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक शालिनी श्रीवास्तव के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004 (राजस्थान) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव **सह-संपादक:** हरीश श्रीवास्तव, छबड़ा बारां मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) hillviewsamachar@gmail.com (राजस्थान सरकार से विज्ञापन हेतु स्वीकृत)